तापमान
अधिकतम 44.6 डिग्री
न्यूनतम 22.4 डिग्री

हरिभूमि
# सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार 26 अप्रैल 2026

11 खरखौदा की सड़कों पर नहीं होगा जलभराव

12 शहर की सुंदरता पर ड्रेन नंबर 6 के अधूरे निर्माण का ग्रहण

## खबर संक्षेप

### सेक्टर-57 में पेड़ के नीचे युवक का शव मिला

**सोनीपत।** कुंडली के सेक्टर-57 में एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति की मौत पेड़ से गिरने के कारण हुई हो सकती है। शनिवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-57, कुंडली में पेड़ के नीचे एक व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। आशंका है कि पेड़ से गिरने के कारण व्यक्ति के सिर में चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

### नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

**खरखौदा।** पुलिस ने नाबालिग लड़की को अगवा कर दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नवीन के रूप में हुई। सहायक पुलिस आयुक्त जोगिंदर शर्मा ने बताया कि 22 अप्रैल को परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि लड़की स्कूल नहीं पहुंची, जिससे अपहरण की आशंका जताई गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग को बरामद किया और उसके बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए। साथ ही उसकी काउंसलिंग भी करवाई गई। जांच के आधार पर आरोपी के खिलाफ पोक्सो व एससी/एसटी एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

### घर में घुसकर मारपीट का आरोप, केस दर्ज

**गन्नौर।** शास्त्री नगर गली नंबर तीन निवासी एक व्यक्ति ने कुछ लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। थाना गन्नौर पुलिस को दी शिकायत में अमित कुमार ने बताया कि 23 अप्रैल को वह दुकान बंद कर घर पहुंचे थे। आरोप है कि उसी दौरान धीरज, लक्ष्मी और प्रिंस ने उन पर हमला कर दिया। आरोपित लोहे का सरिया और पाइप लेकर आए और उनके साथ मारपीट की।बीच-बचाव के दौरान संदीप नामक व्यक्ति भी मौके पर पहुंचा और आरोपितों का साथ देते हुए गाली-गलौज कर धमकियां दीं। घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया।, जहां इलाज के दौरान भी आरोपित पहुंच गए और जान से मारने की धमकी दी।

# मैदान सजा: मेयर के लिए 12 और 22 पार्षदों के लिए 110 प्रत्याशियों में जंग

■ नगर निगम चुनाव की नामांकन प्रक्रिया पूरी ■ 28 तक नाम वापस ले सकेंगे उम्मीदवार

**शनिवार को इनेलो, आप सहित कई उम्मीदवारों ने मेयर के लिए पर्चा भरा**

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम के आम चुनाव को लेकर मैदान पूरी तरह सज चुका है। शनिवार को नामांकन प्रक्रिया पूरी हो गई। अंतिम दिन तक मेयर पद के लिए कुल 12 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया, जबकि निगम के 22 वार्डों में पार्षद पद के लिए 110 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। मेयर पद के लिए इस बार मुकाबला रोचक होने की संभावना है। शनिवार को इनेलो से आनंद कुमार, आम आदमी पार्टी से सत्यवीर आर्य और पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया से हवा सिंह ने नामांकन भरा। निर्दलीय उम्मीदवारों में रमेश कुमार खत्री ने एक और नामांकन दाखिल किया। इसके अलावा संत धर्मवीर चोटीवाला, अनल सिंघल और चांद राम ने भी नामांकन किया।इससे पहले भाजपा की ओर से राजीव जैन (कवरिंग प्रत्याशी दिव्यांक जैन), कांग्रेस से कमल दीवान (कवरिंग प्रत्याशी मेघा दीवान) तथा निर्दलीय के रूप में कमलेश कुमार सैनी ने नामांकन दाखिल किया था।

### वार्ड वाइज ये प्रत्याशी

| वार्ड | प्रत्याशी | वार्ड | प्रत्याशी |
|---|---|---|---|
| 1 | 5 | 12 | 3 |
| 2 | 3 | 13 | 3 |
| 3 | 5 | 14 | 3 |
| 4 | 6 | 15 | 5 |
| 5 | 7 | 16 | 7 |
| 6 | 4 | 17 | 9 |
| 7 | 6 | 18 | 5 |
| 8 | 6 | 19 | 4 |
| 9 | 4 | 20 | 4 |
| 10 | 6 | 21 | 4 |
| 11 | 3 | 22 | 8 |

सोनीपत। नामांकन जमा करवाने के लिए पहुंचे पार्षद प्रत्याशियों की भीड़।

सोनीपत। नामांकन पत्र सौंपते इनलो प्रत्याशी आनंद कुमार ।

### प्रशासन ने जिले में सुरक्षा बढ़ाई

चुनाव को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर काम कर रहा है। पुलिस जिले के नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही है। इसके साथ वरिष्ठ अधिकारी भी फील्ड में औचक निरीक्षण करने के लिए पहुंच रहे है।

### वार्ड 17 में सबसे ज्यादा 9 उम्मीदवार आजमा रहे किस्मत

नगर निगम के 22 वार्डों में पार्षद बनने की दौड़ में 110 उम्मीदवार शामिल हैं। वार्ड 17 में सबसे अधिक 9 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है, जबकि वार्ड 2, 11, 12, 13 और 14 में सबसे कम 3-3 उम्मीदवार मैदान में हैं। प्रशासन के अनुसार 27 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी, जबकि 28 अप्रैल को नाम वापसी की अंतिम तिथि होगी। इसके बाद प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे।

### अब आगे ये रहेगा शेड्यूल

| | |
|---|---|
| नामांकन पत्रों की जांच | 27 अप्रैल |
| नाम वापसी एवं चुनाव चिन्ह आवंटन | 28 अप्रैल |
| मतदान की तिथि | 10 मई 2026 (सुबह 8 से शाम 6 बजे) |
| मतगणना एवं परिणाम | 13 मई 2026 (सुबह 8 बजे से) |

# पुलिस ने 45 वाहनों के काटे चालान

**यातायात नियमों का पालन न करने पर सख्ती**

खरखौदा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान काटती पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

शहर में यातायात नियमों को पालन न करने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। शनिवार को डीसीपी नरेंद्र कादयान के शहर दौरे और निर्देशों के बाद ट्रैफिक पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। ट्रैफिक इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर राजेश कुमार के नेतृत्व में थाना चौक और दिल्ली चौक क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे गलत तरीके से खड़े वाहनों और बिना दस्तावेज वाहन चला रहे चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान करीब 45 चालान काटे गए। ट्रैफिक इंचार्ज ने बताया कि यह अभियान सरकार के निर्देशानुसार चलाया जा रहा है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके और शहर में जाम की स्थिति से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों का पालन करना सभी वाहन चालकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि

■ मॉडिफाइड बुलेट चलाने वालों पर 21 हजार जुर्माना
■ थाना और दिल्ली चौक पर नाका लगाकर की वाहनों की जांच

कार्रवाई के साथ-साथ लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। इससे पहले मॉडिफाइड बुलेट मोटरसाइकिलों के खिलाफ अभियान चलाकर 21 हजार रुपये तक के चालान किए जा चुके हैं और कई वाहनों को जब्त भी किया गया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सुरक्षित ड्राइविंग को अपनाएं।

# घर से नकदी व आभूषण चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

**पुलिस ने दो दिन के रिमांड पर लिया**

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

थाना बहालगढ़ क्षेत्र की पुलिस ने घर से आभूषण और नकदी चोरी करने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान प्रिंस उर्फ हन्नी निवासी गांव गढ़ मिरकपुर, जिला सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, भारती पत्नी स्वर्गीय भीम सिंह ने 23 अप्रैल 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी।

- परिवार किसी काम के लिए घर से बाहर गया हुआ था
- आरोपी ने घर में घुसकर अलमारी तोड़कर की थी चोरी

### ये था मामला

शिकायत में बताया गया कि 22 अप्रैल को वह अपने बच्चों के साथ सोनीपत स्थित अपने भाई के घर गई हुई थी। 23 अप्रैल को घर लौटने पर उसने देखा कि अलमारी का लॉकर टूटा हुआ था और उसमें रखे सोने-चांदी के गहने व नकदी चोरी हो चुकी थी। आसपास पूछताछ करने पर संदेह पड़ोसी प्रिंस पर हुआ। मामले की जांच के दौरान सहायक उप निरीक्षक जसमेर ने टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार किया। उसे न्यायालय में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

# मोबाइल छीनने के मामले में तीसरा आरोपी पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

थाना शहर क्षेत्र की पुलिस ने रास्ता रोककर मोबाइल फोन छीनने के मामले में तीसरे आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान अंकुर निवासी गांव बैयापुर खुर्द, जिला सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 27 मार्च 2026 को अमित पुत्र जय प्रकाश निवासी काठ मंडी, सोनीपत ने शिकायत दी थी कि वह साइकिल से डाकखाना गोशाला से अपने घर जा रहा था। सीमेंट गोदाम के पास पहुंचने पर बाइक पर सवार तीन युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया, उसके साथ मारपीट की और मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए।

इस संबंध में थाना शहर सोनीपत में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान उप निरीक्षक हितेश की टीम पहले ही दो आरोपित विनय और विनीत को गिरफ्तार कर चुकी थी। अब तीसरे आरोपित अंकुर को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

■ आरोपी अमित के साथ मारपीट कर फोन छीन ले गए थे

### युवक पर फायरिंग करने का आरोपी गिरफ्तार

**सोनीपत।** थाना बहालगढ़ क्षेत्र की पुलिस ने फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में पांचवें आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान दीपक निवासी गांव कमासपुर, जिला सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, कृष्ण कुमार पुत्र रामनारायण निवासी कमासपुर ने 17 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 16 अप्रैल की रात करीब 8:30 बजे उसके भतीजे का चौपाल के पास दीपक के साथ विवाद हुआ था। इसके बाद रात करीब 9:30 बजे दीपक अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और कृष्ण कुमार के साथ हाथापाई करते हुए उस पर गोली चला दी तथा जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। इस संबंध में थाना बहालगढ़ में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान सहायक उप निरीक्षक जसमेर ने टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे अग्रिम जमानत पर रिहा कर दिया गया।

# भीषण गर्मी के बीच बिजली कटों ने बढ़ाई परेशानी

**गन्नौर।** गर्मी बढ़ने के साथ ही क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण इलाकों में अघोषित बिजली कटों से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। शहर और गांवों में लो वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या बनी हुई है, जबकि फाल्ट के कारण कटों की संख्या भी बढ़ रही है। शनिवार को बिजली कट से संबंधित कई शिकायतें दर्ज की गईं। शहर के मुख्य बाजार में करीब 4 से 5 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। भीषण गर्मी के बीच लोग पसीने से तरबतर होते रहे और घरों में लगे इन्वर्टर भी जवाब दे गए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी तापमान बढ़ने के साथ 8 से 10 घंटे तक बिजली कट का सामना करना पड़ रहा है। अधिक खपत के कारण फीडरों पर लोड बढ़ गया है, जिससे कई उपकेंद्रों पर ट्रिपिंग और कटौती की समस्या उत्पन्न हो रही है। शहरवासियों का कहना है कि अघोषित बिजली कटों के कारण पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की है।

### अचानक बढ़े लोड से बढ़ रहे फाल्ट

निगम के जेई सुरेश ने बताया कि गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ने से सिस्टम पर अतिरिक्त लोड पड़ता है, जिससे फाल्ट की समस्या बढ़ जाती है। इन शिकायतों को दूर करने और लाइनों की मरम्मत के लिए समय-समय पर अस्थायी कट लगाने पड़ते हैं, ताकि बिजली व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की जा सके। उन्होंने कहा कि निगम की टीमें लगातार फील्ड में कार्य कर रही हैं और उपभोक्ताओं को बेहतर आपूर्ति देने के प्रयास जारी हैं।

## आरटीई : शेड्यूल में बदलाव, दस्तावेज सत्यापन का अभिभावकों को मिला एक और दिन

**पहले 23 तक डॉक्यूमेंट जमा कराने थे, निजी स्कूलों में 3966 सीटें निर्धारित**

# आज भी खुला रहेगा कार्यालय, शिक्षा विभाग ने मदद के लिए हेल्प डेस्क बनाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में विद्यार्थियों के दाखिले को लेकर विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने शेड्यूल में बदलाव किया है। नए शेड्यूल के अनुसार, आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को दस्तावेज सत्यापन के लिए एक अतिरिक्त दिन दिया गया है। अब अभिभावक 26 अप्रैल तक खंड शिक्षा अधिकारियों के कार्यालय में पहुंचकर अपने दस्तावेजों का सत्यापन करवा सकते हैं।

### रविवार को भी काम करेंगे

रविवार का अवकाश होने के बावजूद कार्यालय खुले रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। अभिभावकों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए हैं। जिले के मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में दाखिले के लिए अभिभावकों को 16 अप्रैल तक ऑनलाइन उज्ज्वल पोर्टल पर आवेदन करना था। अब इन आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है, ताकि चयनित विद्यार्थी निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर सकें। दस्तावेज सत्यापन के बाद ही दाखिला प्रक्रिया शुरू होगी।

पहले दाखिले की तिथि 10 से 23 अप्रैल निर्धारित थी, जिसे अब आगे बढ़ाया गया है। विभाग ने 1 से 5 मई तक वेटिंग लिस्ट के आधार पर भी दाखिले करवाने का निर्णय लिया है। जिले में आरटीई के तहत कुल 3966 सीटें निर्धारित की गई हैं। खंड शिक्षा अधिकारी अनिल वर्मा ने बताया कि सोनीपत ब्लॉक में कुल 1073 आवेदनों में से 800 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन पूरा किया जा चुका है। वहीं, गोहाना ब्लॉक में 280 सीटों के मुकाबले 218 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 169 का सत्यापन हो चुका है। अन्य ब्लॉकों में भी यह प्रक्रिया रविवार तक जारी रहेगी।

सोनीपत। कार्यालय में हेल्प डेस्क पर दस्तावेजों का सत्यापन करवाते अभिभावक।

### निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित

अधिकारियों के अनुसार, आरटीई अधिनियम 2009 के तहत सभी मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए नर्सरी, केजी और प्रथम कक्षा में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना अनिवार्य है। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। विभाग का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना है। सभी स्कूलों को निर्धारित नियमों की अनुपालना करने और अधिक जानकारी के लिए विभाग की वेबसाइट पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

### दाखिले के लिए यह दस्तावेज जरूरी

शिक्षा अधिकारियों ने बताया कि आरटीई के तहत नर्सरी, केजी और प्रथम कक्षा में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य है। अभिभावक अपने घर से एक किलोमीटर के दायरे में स्थित निजी स्कूलों में ही आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते उस क्षेत्र में कोई सरकारी स्कूल न हो।

**वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम होनी चाहिए**

दाखिले के लिए आय प्रमाण पत्र (परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम), परिवार पहचान पत्र, बीपीएल कार्ड, बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, फोटो और अभिभावक का मोबाइल नंबर आवश्यक है।

### ड्रा के बाद स्कूलों में एडमिशन शुरू होंगे

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी रचना बाना ने बताया कि आरटीई के तहत दाखिलों को लेकर शेड्यूल में बदलाव किया गया है। अभिभावक 26 अप्रैल तक दस्तावेज सत्यापन करवा सकते हैं। इसके बाद ड्रा प्रक्रिया के पश्चात निजी स्कूलों में दाखिले शुरू होंगे। यदि कोई स्कूल दाखिला देने में आनाकानी करता है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

# अदिति का नेशनल स्कूल गेम्स में चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

दुभेटा की युवा क्रिकेटर अदिति श्योराण का 69वें नेशनल स्कूल गेम्स अंडर-17 गर्ल्स क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता 29 अप्रैल से रोहतक में आयोजित होगी, जिसमें अदिति चंडीगढ़ की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा घोषित टीम में अदिति को ऑलराउंडर के रूप में शामिल किया गया है। यह उनका लगातार तीसरा नेशनल चयन है। महज 15 वर्ष की उम्र में वह स्टेट, नेशनल और बीसीसीआई स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं। अदिति अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी के लिए जानी जाती हैं।

अपनी उपलब्धियों के दम पर अदिति हरियाणा सरकार से खेल प्रतिभा सम्मान और चंडीगढ़ प्रशासन से स्टेट अवार्ड भी प्राप्त कर चुकी हैं। उनके चयन से गांव और परिवार में खुशी का माहौल है।

### क्रिकेट के साथ पढ़ाई में भी अव्वल

परिवार में दादा चौधरी रघबीर सिंह श्योराण, दादी मूर्ति देवी और मां अनु श्योराण सहित अन्य सदस्यों ने गर्व जताया।

अदिति ने हाल ही में सीबीएसई की 10वीं कक्षा में 83 प्रतिशत अंक भी प्राप्त किए हैं। गांव के सरपंच विकास आर्या ने अदिति को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वह भविष्य में देश के लिए खेलेगी। अदिति की प्रारंभिक शिक्षा खानपुर कलां स्थित ग्लोबल पब्लिक स्कूल से हुई है। वर्तमान में वह चंडीगढ़ के कार्मल कॉन्वेंट स्कूल, सेक्टर-9 में 11वीं कक्षा की छात्रा हैं। उल्लेखनीय है कि अदिति इस वर्ष क्रिकेट के साथ-साथ बेसबॉल और सॉफ्टबॉल में भी नेशनल स्तर पर चंडीगढ़ टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

# सोना-चांदी या मल्टी-एसेट फंड? निवेश से पहले जानें पूरा गणित

- उच्च रिटर्न के लालच में न करें गलती, जोखिम और रिटर्न का संतुलन ही समझदारी
- बाजार की चाल, जोखिम और लक्ष्य के हिसाब से चुनें सही विकल्प, वरना होगा नुकसान
- गोल्ड ईटीएफ, कमोडिटी फंड और मल्टी-एसेट फंड के फर्क को समझना गेहद जरूरी
- कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते
- ये उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी

शेयर बाजार और फिक्स्ड डिपॉजिट से आगे बढ़ते हुए अब निवेशक सोना, चांदी, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड और अन्य कमोडिटी विकल्पों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। महंगाई, वैश्विक अनिश्चितता और बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ये एसेट क्लास पोर्टफोलियो को संतुलन देने का काम करते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब निवेशक अलग-अलग विकल्पों कमोडिटी फंड, गोल्ड-सिल्वर ईटीएएफ और मल्टी-एसेट फंड को एक जैसा मान लेते हैं। यही भ्रम कई बार गलत निवेश फैसलों और नुकसान की वजह बनता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते। ये फंड उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी होती हैं। यानी इनका प्रदर्शन केवल कमोडिटी की कीमत पर नहीं, बल्कि उन कंपनियों के बिजनेस, मैनेजमेंट और मार्केट कंडीशन पर भी निर्भर करता है। इस कारण ये फंड तकनीकी रूप से इक्विटी फंड की श्रेणी में आते हैं और इनमें जोखिम भी उसी के अनुरूप अधिक होता है।

### कमोडिटी फंड : हाई रिस्क, साइकिल पर निर्भर रिटर्न

कमोडिटी फंड्स का प्रदर्शन "कमोडिटी साइकिल" पर आधारित होता है। जब मेटल या एनर्जी सेक्टर में तेजी आती है, तो ये फंड अच्छा रिटर्न दे सकते हैं, लेकिन गिरावट के समय इनका प्रदर्शन तेजी से नीचे भी आ सकता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ इन्हें लॉन्ग टर्म कोर इन्वेस्टमेंट के रूप में नहीं देखते। आमतौर पर 1 से 3 साल के लिए, किसी खास सेक्टर में तेजी का फायदा उठाने के लिए ही इनका उपयोग किया जाता है। निवेश सलाहकारों के अनुसार, पोर्टफोलियो में इनका हिस्सा 5% से 10% से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अधिक निवेश जोखिम को बढ़ा सकता है। साथ ही, इनमें निवेश करने से पहले बाजार की स्थिति और सेक्टर ट्रेंड को समझना बेहद जरूरी है।

### गोल्ड और सिल्वर ईटीएएफ कीमत से जुड़ा निवेश

अगर आपका उद्देश्य सीधे सोने या चांदी की कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ उठाना है, तो गोल्ड ईटीएएफ और सिल्वर ईटीएएफ बेहतर विकल्प हैं। ये फंड फिजिकल गोल्ड या सिल्वर की कीमत को ट्रैक करते हैं, यानी इनका रिटर्न सीधे धातु की कीमत पर निर्भर करता है। इनका सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको फिजिकल गोल्ड खरीदने, स्टोर करने या उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं करनी पड़ती। साथ ही, इनकी पारदर्शिता और लिक्विडिटी भी अधिक होती है, क्योंकि इन्हें शेयर बाजार में आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है। हालांकि, इनका रिटर्न आमतौर पर स्थिर और सीमित होता है। ये तेजी से मल्टीबैगर रिटर्न देने के बजाय पोर्टफोलियो को स्थिरता देने का काम करते हैं। इसलिए इन्हें "सेफ हेवन" या हेजिंग टूल के रूप में देखा जाता है।

### मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड : संतुलित निवेश का विकल्प

दूसरी ओर, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं, जो एक ही निवेश में विविधता (डाइवर्सिफिकेशन) चाहते हैं। ये फंड इक्विटी, डेट और कमोडिटी तीनों एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब एक एसेट क्लास कमजोर प्रदर्शन करता है, तो दूसरा उसे संतुलित कर देता है। उदाहरण के लिए, शेयर बाजार में गिरावट के दौरान सोना बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, जिससे कुल पोर्टफोलियो पर असर कम होता है।

### पिछले आंकड़ों पर न जाएं

बाजार में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे कई कमोडिटी या मल्टी-एसेट फंड्स उपलब्ध हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में 20-22% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन विशेषज्ञ साफ कहते हैं कि केवल पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेश का फैसला लेना गलत हो सकता है। कमोडिटी सेक्टर स्वभाव से ही अस्थिर होता है। इसलिए इसमें औसतन 10-12% सीएजीआर की उम्मीद रखना ज्यादा व्यावहारिक है।

### समझदारी से करें संतुलन

निवेश का कोई एक "सही" विकल्प नहीं होता। यह पूरी तरह आपके लक्ष्य, जोखिम क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। गोल्ड ईटीएफ और मल्टी-एसेट फंड्स आम निवेशकों के लिए बेहतर और सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं, जबकि कमोडिटी फंड्स केवल समझदार और अनुभवी निवेशकों के लिए ही उपयुक्त हैं। अंततः, एक संतुलित पोर्टफोलियो ही लंबे समय में बेहतर रिटर्न और कम जोखिम सुनिश्चित करता है। इसलिए निवेश से पहले जरूरतें समझें, जल्दबाजी से बचें और जहां जरूरी हो, वित्तीय सलाहकार की मदद लें ताकि आपका पैसा सही दिशा में काम कर सके।

## स्मॉलकैप एक माह में 10% उछला

# जोखिम भी उतना ही बढ़ा

**निवेश मंत्रा**
बिजनेस डेस्क

पिछले एक महीने में स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। औसतन 10% तक का रिटर्न देकर इस सेगमेंट ने लार्ज और मिडकैप फंड्स को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है क्या यह तेजी लंबे समय के बुल रन की शुरुआत है या फिर यह सिर्फ गिरावट के बाद आई एक अस्थायी रिकवरी? विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी को समझदारी से देखना जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान भी करा सकता है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स ने पिछले एक महीने में औसतन करीब 10% रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स ने तो इससे भी ज्यादा प्रदर्शन किया है, जिससे निवेशकों का भरोसा इस सेगमेंट में फिर से बढ़ा है। हालांकि, सभी फंड्स का प्रदर्शन एक जैसा नहीं रहा। जहां कुछ फंड्स ने दो अंकों का रिटर्न दिया, वहीं कुछ ने नेगेटिव रिटर्न भी दिखाया। इससे साफ है कि यह तेजी पूरे सेगमेंट में समान रूप से नहीं फैली है।

### तेजी की वजहः लिक्विडिटी और एसआईपी का सहारा

विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉलकैप फंड्स में आई इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। बाजार में बढ़ती लिक्विडिटी, निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता में सुधार और लगातार आने वाला एसआईपी निवेश इस उछाल को सपोर्ट कर रहा है। जब बाजार में नकदी ज्यादा होती है, तो उसका असर छोटे शेयरों पर जल्दी दिखाई देता है। इसी वजह से स्मॉलकैप शेयरों में तेजी अक्सर तेज और अचानक होती है।

### क्या यह स्थायी बुल रन है या शॉर्ट टर्म रिकवरी?

यहीं सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिलहाल यह तेजी एक शॉर्ट टर्म रिकवरी ज्यादा लगती है, न कि लंबी अवधि की स्थायी तेजी। स्मॉलकैप सेगमेंट में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है। गिरावट के बाद तेज उछाल आना आम बात है। इसलिए केवल एक महीने के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेना जोखिम भरा हो सकता है।

### वैल्यूएशन बनी चिंता

हालिया तेजी के बाद स्मॉलकैप शेयरों की वैल्यूएशन फिर से ऊंची नजर आने लगी है। उदाहरण के तौर पर, निफ्टी स्मॉलकैप 100 का फॉरवर्ड पी/ई अपने लंबे औसत से ऊपर चल रहा है। इसका मतलब है कि शेयरों की कीमतें उनकी कमाई के मुकाबले ज्यादा हो चुकी हैं। ऐसे में आगे रिटर्न सीमित हो सकता है या फिर बाजार में करेक्शन देखने को मिल सकता है।

### हर निवेशक के लिए सही नहीं

स्मॉलकैप फंड्स हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं। इनमें तेजी के साथ-साथ गिरावट भी उतनी ही तेज होती है। इसलिए यह हर निवेशक के लिए उपयुक्त नहीं हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अगर आपका निवेश समय 7 से 10 साल या उससे ज्यादा है, तभी इस सेगमेंट में निवेश करना चाहिए।

### एसआईपी और एसटीपी से एंट्री

स्मॉलकैप में एकमुश्त निवेश करने के बजाय एसआईपी या एसटीपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और आप अलग-अलग स्तरों पर निवेश कर पाते हैं, जिससे औसत लागत संतुलित रहती है।

### पोर्टफोलियो में सीमित हिस्सा

एक संतुलित निवेश रणनीति के तहत स्मॉलकैप फंड्स का हिस्सा पोर्टफोलियो में सीमित रखना चाहिए। आमतौर पर 10% से 20% तक का एक्सपोजर पर्याप्त माना जाता है, जो जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन बनाए रखता है। इसके अलावा, फ्लेक्सी कैप और मल्टीकैप फंड्स जैसे विकल्प भी बेहतर संतुलन प्रदान कर सकते हैं।

### पीछे भागना क्यों खतरनाक

अक्सर निवेशक हालिया प्रदर्शन देखकर आकर्षित हो जाते हैं और तेजी से निवेश कर देते हैं। लेकिन 10% जैसे अल्पकालिक रिटर्न का पीछा करना सही रणनीति नहीं है। बाजार में ऐसे मूवमेंट अस्थायी होते हैं और समय के साथ संतुलित हो जाते हैं। इसलिए केवल हालिया रिटर्न देखकर निवेश करना नुकसान का कारण बन सकता है।

### अवसर है, पर अलर्ट रहें

स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी निश्चित रूप से ध्यान देने योग्य है, लेकिन इसे "पैसे छापने का मौका" मानना जल्दबाजी होगी। लंबी अवधि के निवेशक एसआईपी के जरिए इसमें धीरे-धीरे निवेश कर सकते हैं, लेकिन पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

# एमएफ के नाम में छिपा पूरा खेल : 'डायरेक्ट रेगूलर और ग्रोथ' का सही मतलब समझें

म्यूचुअल फंड में निवेश करना आजकल बहुत आसान हो गया है, लेकिन सही फंड का चुनाव करना आज भी कई लोगों के लिए बड़ी चुनौती है। बता दें कि जब आप किसी ऐप या वेबसाइट पर फंड सर्च करते हैं, तो एक ही नाम के कई ऑप्शन नजर आते हैं। दरअसल, इन नामों में निवेश की पूरी रणनीति छिपी होती है। अगर आप इन बेसिक शब्दों का मतलब समझ लेते हैं, तो आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार सही फंड का चुनाव कर सकते हैं।

### निवेश की कैटेगरी को पहचानें

म्यूचुअल फंड के नाम की शुरुआत एएमसी से होती है, जैसे एसबीआई, अक्षम या आईसीआईसीआई प्रूडेंटियल। यह वो संस्था है जो आपके पैसे को मैनेज करती है। नाम के अगले हिस्से में फंड की कैटेगरी होती है। जैसे लार्ज कैप का अर्थ है कि पैसा देश की टॉप 100 सुरक्षित कंपनियों में लगेगा। वहीं, स्मॉल कैप या मिड कैप में पैसा उन कंपनियों में लगाया जाता है जो तेजी से बढ़ रही हैं, हालांकि इनमें जोखिम थोड़ा ज्यादा होता है।

### खर्च और मुनाफे का अंतर

फंड के नाम में डायरेक्ट और रेगूलर सबसे अहम शब्द हैं। डायरेक्ट का मतलब है कि आप सीधे फंड हाउस के साथ निवेश कर रहे हैं। इसमें कोई एजेंट नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम होता है और आपका मुनाफा बढ़ जाता है। इसके विपरीत, रेगूलर प्लान किसी बैंक या ब्रोकर के जरिए लिया जाता है, जहां आपको दी जाने वाली सुविधाओं के बदले कंपनी एजेंट को कमीशन देती है, जिससे आपका शुद्ध मुनाफा थोड़ा कम हो जाता है।

### रिटर्न पाने का तरीका चुनें

नाम के आखिरी हिस्से में आपको ग्रोथ या आईडीडब्ल्यूसी लिखा मिलेगा। बता दें कि अगर आप लंबे समय के लिए पैसा जोड़ना चाहते हैं, ग्रोथ ऑप्शन चुनें क्योंकि इसमें मुनाफे पर कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपको निवेश के बीच-बीच में कुछ कमाई मिलती रहे, तो आईडीडब्ल्यूसी प्लान लिया जा सकता है।

### स्मार्ट निवेशक बनने के लिए जरूरी टिप्स

म्यूचुअल फंड चुनते समय सिर्फ पिछले रिटर्न को ना देखें, बल्कि इन चारों यानी एएमसी, कैटेगरी, प्लान टाइप और रिटर्न मोड को परखें। अपनी रिस्क लेने की क्षमता और समय सीमा के आधार पर ही सही ऑप्शन का चुनाव करें। हमेशा कोशिश करें कि डायरेक्ट और ग्रोथ ऑप्सशन पर गौर करें जिससे लंबी समय में आपकी जमा पूंजी पर कमीशन का बोझ न पड़े और आपको अधिकतम लाभ मिल सके। म्यूचुअल फंड का नाम भले ही जटिल लगे, लेकिन इसमें निवेश का पूरा ब्लूप्रिंट छिपा होता है। म्यूचुअल फंड में सफल होने के लिए जरूरी है कि आप इन बुनियादी शब्दों को समझें और सोच-समझकर फैसला लें। सही जानकारी के साथ किया गया निवेश ही लंबे समय में संपत्ति निर्माण का मजबूत आधार बनता है।

*बिजनेस डेस्क*

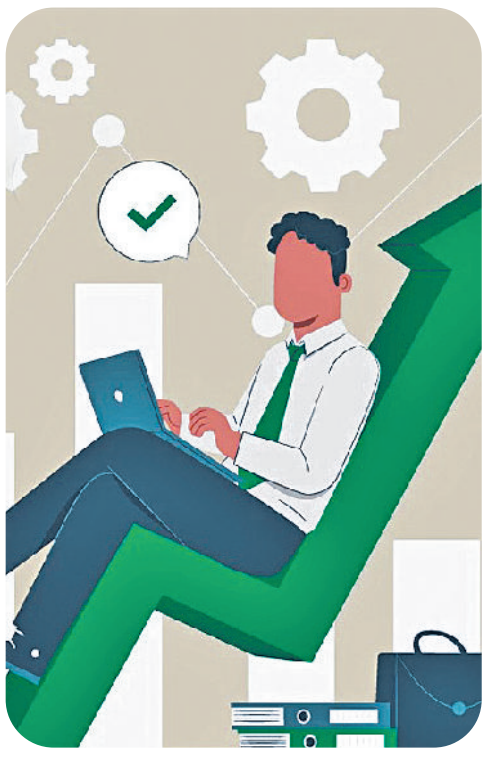

## अब आईटीआर में गलती की तो पड़ सकती है भारी

# गलत इनकम बताई तो 200% तक जुर्माना

- छोटी चूक भी बन सकती है बड़ी सजा का कारण
- जानबूझकर जानकारी छिपाने पर दोगुना तक जुर्माना
- लेट फाइलिंग व दस्तावेजों में कमी पर भी कड़ा प्रावधान

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न यानी आईटीआर भरना अब केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी तरह जिम्मेदारी और सतर्कता का काम बन चुका है। आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2026–27 के लिए नया पेनल्टी फ्रेमवर्क लागू किया है, जिसमें गलत जानकारी देने वाले टैक्सपेयर्स पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इस नए सिस्टम का मकसद साफ है। टैक्स अनुपालन को सख्ती से लागू करना और किसी भी तरह की लापरवाही या हेरफेर को हतोत्साहित करना।

### गलत इनकम दिखाना पड़ सकता है भारी

नए नियमों के तहत यदि कोई टैक्सपेयर्स अपनी वास्तविक आय से कम इनकम दिखाता है, तो उसे देय टैक्स पर 50 प्रतिशत तक जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह जुर्माना उन मामलों में लागू होता है जहां गलती को अनजाने में हुई चूक माना जाता है। लेकिन अगर जांच में यह साबित हो जाता है कि इनकम को जानबूझकर छिपाया गया है या गलत जानकारी दी गई है, तो सजा और भी कड़ी हो जाती है। ऐसे मामलों में पेनल्टी बढ़ाकर 200 प्रतिशत तक की जा सकती है। यानी जितना टैक्स बचाने की कोशिश की गई, उसका दोगुना तक जुर्माना देना पड़ सकता है।

### जानबूझकर गलती और सामान्य चूक में फर्क

सरकार ने इस बार नियमों में यह स्पष्ट किया है कि जानबूझकर की गई गलती और सामान्य त्रुटि में अंतर किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने भूलवश कोई इनकम जोड़ना रह गया, तो उसे उतनी सख्ती से नहीं देखा जाएगा जितना कि किसी ऐसे मामले को जहां दस्तावेज छिपाए गए हों या फर्जी एंट्री की गई हो। यह अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ईमानदार टैक्सपेयर्स को राहत मिलती है, जबकि धोखाधड़ी करने वालों पर सख्ती बढ़ती है।

### लेट आईटीआर पर भी सख्त नियम

समय पर आईटीआर फाइल न करने पर भी अब जुर्माने का प्रावधान पहले से स्पष्ट और कड़ा कर दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति तय समय सीमा के बाद आईटीआर भरता है, तो उसे अधिकतम 5000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। हालांकि, जिन टैक्सपेयर्स की सालाना आय 5 लाख रुपये तक है, उनके लिए राहत देते हुए जुर्माना 1000 रुपये तक सीमित रखा गया है। इसका उद्देश्य छोटे करदाताओं को अनावश्यक बोझ से बचाना है, लेकिन समय पर फाइलिंग की जिम्मेदारी से छूट नहीं दी गई है।

### टीडीएस और अन्य दस्तावेजों में देरी भी महंगी

सिर्फ आईटीआर ही नहीं, बल्कि टीडीएस और अन्य जरूरी स्टेटमेंट समय पर जमा न करने पर भी सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में 200 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगाया जा सकता है, जो समय के साथ बड़ी राशि में बदल सकता है। इससे साफ है कि टैक्स सिस्टम अब पूरी तरह समयबद्ध और अनुशासित हो चुका है, जहां हर देरी की कीमत चुकानी पड़ सकती है।

### टैक्स बकाया रखने पर भी कार्रवाई

यदि कोई व्यक्ति अपना सेल्फ-असेसमेंट टैक्स समय पर नहीं चुकाता है, तो उस पर भी पेनल्टी लग सकती है। यह पेनल्टी असेसिंग ऑफिसर द्वारा तय की जाती है और कई मामलों में बकाया टैक्स के बराबर तक हो सकती है। गंभीर मामलों में, खासकर जब जांच के दौरान छिपी हुई आय सामने आती है, तो 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि गलती कितनी गंभीर है और उसे कब उजागर किया गया।

### अन्य उल्लंघनों पर कड़ी नजर

नए नियम केवल इनकम छिपाने तक सीमित नहीं हैं। यदि कोई व्यक्ति अपने अकाउंट बुक्स ठीक से नहीं रखता, जरूरी ऑडिट नहीं कराता, दस्तावेज समय पर जमा नहीं करता या कैश ट्रांजैक्शन के नियमों का उल्लंघन करता है, तो उस पर भी जुर्माना लगाया जा सकता है। कुछ मामलों में यह जुर्माना लेन-देन की पूरी राशि के बराबर तक हो सकता है, जो किसी भी व्यवसाय या व्यक्ति के लिए बड़ा वित्तीय झटका साबित हो सकता है।

### राहत के प्रावधान भी मौजूद

हालांकि सख्ती के बीच सरकार ने कुछ राहत के विकल्प भी दिए हैं। यदि कोई टैक्सपेयर्स यह साबित कर देता है कि उससे हुई गलती किसी वाजिब कारण से हुई थी, जैसे तकनीकी समस्या या वास्तविक भूल, तो उस पर पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी। इसके अलावा, कुछ मामलों में अपील और स्पष्टीकरण के आधार पर भी जुर्माने में राहत मिल सकती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ईमानदार करदाता अनावश्यक रूप से परेशान न हों।

### सतर्कता ही बचाव का सबसे बड़ा तरीका

इन नए नियमों के बाद यह साफ हो गया है कि आईटीआर भरते समय लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर जानकारी को सही दस्तावेजों के साथ जांचकर ही भरना चाहिए। विशेषज्ञों की सलाह है कि यदि टैक्स फाइलिंग को लेकर किसी भी तरह का संदेह हो, तो पेशेवर सलाह लेना बेहतर है। छोटी सी गलती भी बड़े जुर्माने में बदल सकती है, इसलिए सतर्क रहना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है।

### आयकर विभाग का स्पष्ट संदेश

नए पेनल्टी नियम यह संकेत देते हैं कि टैक्स सिस्टम अब ज्यादा पारदर्शी और सख्त हो चुका है। आयकर विभाग का स्पष्ट संदेश है ईमानदारी से टैक्स भरें या भारी जुर्माने के लिए तैयार रहें। ऐसे में समझदारी इसी में है कि जल्दबाजी या लापरवाही से बचते हुए पूरी सावधानी के साथ आईटीआर फाइल किया जाए, क्योंकि अब छोटी गलती भी बड़ी सजा में बदल सकती है।

## 25,000 की एसआईपी के लिए 3 से 5 फंड ही काफी

छोटी एसआईपी में बंटवारे से कंपाउंडिंग पर पड़ता है असर

# म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में भीड़ बढ़ाना पड़ सकता है भारी, घट सकता है रिटर्न

बिजनेस डेस्क

अक्सर निवेशक यह मान लेते हैं कि ज्यादा म्यूचुअल फंड्स में पैसा लगाने से जोखिम कम हो जाता है और रिटर्न बेहतर मिलता है। इसी सोच के चलते कई लोग 10 से 12 या उससे भी ज्यादा फंड्स में एसआईपी शुरू कर देते हैं। लेकिन हकीकत इससे उलट है। जरूरत से ज्यादा फंड्स रखने से न तो जोखिम कम होता है और न ही रिटर्न बढ़ता है, बल्कि आपका पोर्टफोलियो उलझ जाता है और मुनाफा कम हो सकता है। खासतौर पर अगर आपकी मासिक एसआईपी 25,000 रुपये के आसपास है, तो 3 से 5 अच्छे फंड्स का चयन ही बेहतर रणनीति मानी जाती है।

### ज्यादा फंड्स रखना क्यों नुकसान का सौदा

म्यूचुअल फंड निवेश का मूल सिद्धांत है। विविधता, लेकिन कई निवेशक इस सिद्धांत को गलत तरीके से समझ लेते हैं। वे सोचते हैं कि अलग-अलग (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) के ज्यादा फंड्स खरीदना ही विविधता है, जबकि ऐसा नहीं है। अगर आपके पास 10–12 फंड्स हैं, तो संभव है कि उनमें से कई एक ही सेक्टर या एक जैसे शेयरों में निवेश कर रहे हों। ऐसे में आपका पोर्टफोलियो देखने में तो बड़ा लगता है, लेकिन असल में वह विविध नहीं होता। विशेषज्ञ मानते हैं कि सीमित और चुने हुए फंड्स के जरिए बेहतर नियंत्रण और संतुलन बनाना ज्यादा आसान होता है। इससे निवेश की दिशा स्पष्ट रहती है और अनावश्यक जटिलता से बचाव होता है।

### अलग नाम, लेकिन निवेश वही

जब आप कई फंड्स में निवेश करते हैं, तो एक बड़ी समस्या होती है—पोर्टफोलियो ओवरलैप। मान लीजिए आपने दो या तीन लार्ज-कैप फंड्स ले रखे हैं। इनमें से हर फंड में रिलायंस, इन्फोसिस या एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयर टॉप होल्डिंग में हो सकते हैं। इसका मतलब है कि आप अलग-अलग फंड्स के जरिए एक ही कंपनियों में बार-बार निवेश कर रहे हैं।

### इससे दो नुकसान होते हैं

जोखिम कम होने की बजाय बढ़ सकता है, क्योंकि बाजार गिरने पर सभी फंड्स एक साथ प्रभावित होते हैं। आप हर फंड का अलग-अलग एक्सपेंस रेशियो (खर्च) भी देते हैं, जिससे कुल रिटर्न घटता है। इस तरह, ज्यादा फंड्स रखने से निवेश में विविधता का भ्रम तो बनता है, लेकिन असल फायदा नहीं मिलता।

### छोटी एसआईपी से कंपाउंडिंग कमजोर

यदि 25,000 की मासिक एसआईपी को आप 8 या 10 फंड्स में बांटते हैं, तो हर फंड में बहुत कम राशि जाती है। उदाहरण के तौर पर 8 फंड्स में निवेश करने पर हर फंड में सिर्फ 3,125 ही जाएंगे। इतनी छोटी राशि में कंपाउंडिंग का प्रभाव कमजोर पड़ जाता है। लंबे समय में बड़ा कॉर्पस बनाने के लिए जरूरी है कि हर फंड में पर्याप्त निवेश हो, ताकि उसका ग्रोथ प्रभावी तरीके से दिखाई दे। अगर यही 25,000 रुपये आप 3 या 4 फंड्स में लगाते हैं, तो हर फंड में 6,000 से 8,000 रुपये तक का निवेश होगा, जिससे रिटर्न बेहतर तरीके से बढ़ सकता है।

### ट्रैकिंग और मैनेजमेंट बन जाता है मुश्किल

ज्यादा फंड्स का एक और बड़ा नुकसान है—उन्हें ट्रैक करना कठिन हो जाता है। हर फंड का प्रदर्शन अलग होता है। कुछ अच्छा रिटर्न देते हैं, तो कुछ कमजोर प्रदर्शन करते हैं। अगर आपके पास बहुत ज्यादा फंड्स हैं, तो यह समझना मुश्किल हो जाता है कि कौन सा फंड अच्छा कर रहा है और किसे बदलने की जरूरत है। इसके अलावा, कमजोर फंड्स आपके पूरे पोर्टफोलियो के रिटर्न को नीचे खींच लेते हैं। इसे "डाइल्यूशन" कहा जाता है। यानी अच्छे फंड्स का फायदा भी पूरी तरह नहीं मिल पाता।

### आदर्श पोर्टफोलियो कैसा हो

विशेषज्ञों के अनुसार 25,000 रुपये की एसआईपी के लिए 3 से 5 फंड्स का पोर्टफोलियो पर्याप्त होता है। इससे निवेश में संतुलन बना रहता है और जोखिम भी नियंत्रित रहता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो के लिए आप इन कैटेगरी पर विचार कर सकते हैं।

- लार्ज-कैप या इंडेक्स फंड
  स्थिरता के लिए
- लार्ज एंड मिड-कैप फंड
  ग्रोथ और स्थिरता का मिश्रण
- मल्टी-कैप या फ्लेक्सी-कैप फंड
  अलग-अलग मार्केट कैप में निवेश
- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
  इक्विटी और डेट का संतुलन
- ईएलएसएस फंड (टैक्स सेविंग)
  टैक्स बचत के साथ निवेश
- हर निवेशक अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय अवधि के अनुसार इन कैटेगरी में 3–5 फंड्स चुन सकता है।

### कैसे सुधारें अपना मौजूदा पोर्टफोलियो

अगर आपके पोर्टफोलियो में पहले से ही बहुत ज्यादा फंड्स हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप इसे धीरे-धीरे सुधार सकते हैं। सबसे पहले, ओवरलैप चेक करें। इसके लिए कई ऑनलाइन टूल्स उपलब्ध हैं, जो बताते हैं कि आपके फंड्स में कितनी समानता है। इसके बाद उन फंड्स को पहचानें जो लगातार 2–3 साल से अपने बेंचमार्क से कमजोर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे फंड्स को धीरे-धीरे बाहर निकालें। ध्यान रखें कि एक ही कैटेगरी के कई फंड्स रखने से बचें। हर कैटेगरी से एक अच्छा और भरोसेमंद फंड चुनना बेहतर होता है। साथ ही, पोर्टफोलियो में बदलाव एकदम से न करें, बल्कि चरणबद्ध तरीके से करें ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम पड़े।

### विविधता का सही मतलब समझें

असली विविधता का मतलब यह नहीं है कि आप ज्यादा से ज्यादा फंड्स खरीद लें। बल्कि इसका मतलब है कि आप अलग-अलग एसेट क्लास और कैटेगरी में निवेश करें। अगर आपने अलग-अलग कैटेगरी के 3–5 फंड्स चुने हैं, तो यह पर्याप्त विविधता देता है। इसके विपरीत, एक ही कैटेगरी के 8–10 फंड्स रखना सिर्फ जटिलता बढ़ाता है। इसलिए निवेश करते समय "कम लेकिन बेहतर" की रणनीति अपनाना ज्यादा समझदारी भरा कदम है।

### यह रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड निवेश में संख्या नहीं, गुणवत्ता मायने रखती है। ज्यादा फंड्स रखने से पोर्टफोलियो मजबूत नहीं होता, बल्कि उलझन बढ़ती है और रिटर्न पर असर पड़ता है। 25,000 रुपये की एसआईपी के लिए 3 से 5 अच्छी तरह चुने गए फंड्स ही पर्याप्त हैं। इससे न केवल कंपाउंडिंग का फायदा बेहतर मिलता है, बल्कि निवेश को समझना और मैनेज करना भी आसान रहता है। अंततः, सफल निवेश वही है जो सरल, संतुलित और आपके लक्ष्यों के अनुरूप हो।

## खबर संक्षेप

### निर्णय क्षमता के उन्नत तरीकों की दी जानकारी

**सोनीपत।** ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सोनीपत में शनिवार को जीवन कौशल (उन्नत) विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों और प्रतिभागियों को आधुनिक जीवन की चुनौतियों से निपटने तथा व्यक्तिगत विकास के प्रभावी तरीकों से अवगत कराना रहा। कार्यशाला की मुख्य वक्ता श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल से गीतू मलिक और जानकीदास स्कूल से राजेंद्र कौर रहीं। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुई कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन्स ने तनाव प्रबंधन, प्रभावी संचार और निर्णय लेने की क्षमता जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशलों पर विस्तार से जानकारी दी।

### फेयरवेल पार्टी, सुशील बने स्टूडेंट आफ द ईयर

**गन्नौर।** राजकीय महाविद्यालय गन्नौर में फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डा. सूरज प्रकाश यादव ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय इंचार्ज डा. ज्योति दहिया ने सफल आयोजन के लिए छात्रों की सराहना करते हुए उन्हें आगे बढने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें मयंक को प्रथम पुरस्कार मिला। सत्र 2025-26 के लिए बीए फाइनल ईयर के छात्र सुशील कुमार को स्टूडेंट आफ द ईयर चुना गया। प्राध्यापकों ने उन्हें भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

## सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण ने निकासी प्रबंध करवाने के शुरू किए प्रयास

# खरखौदा की सड़कों पर नहीं होगा जलभराव एसएमडीए 42.90 करोड़ से दिलाएगा राहत

***मुख्य मार्गों पर 3.8 किलोमीटर लंबी स्टॉर्म वाटर लाइन डालने का निर्णय, तीन इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन होंगे तैयार***

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

**सोनीपत।** सोनीपत के खरखौदा शहर का दृश्य। *फोटो : हरिभूमि*

**सोनीपत।** सोनीपत के खरखौदा स्थित बाजार में नाला जाम होने से सड़क पर जलभराव व फैला कचरा। *फोटो : हरिभूमि*

सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) ने खरखौदा में बारिश के दौरान सड़कों पर होने वाली जलभराव की स्थिति पर अंकुश लगाने के लिए निकासी का प्रबंध करवाने के प्रयास तेज कर दिए है। खरखौदा में निकासी के प्रबंध पर एसएमडीए की ओर से करीब 42.90 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जाएगी। एसएमडीए ने कार्य की शुरुआत करने के लिए टेंडर प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। टेंडर आवंटित होने के बाद मुख्य मार्गों पर होने वाली जलभराव की समस्या पर कार्य शुरू करवाया जाएगा। इससे स्थानीय लोगों के साथ वाहन चालकों को खासकर बारिश के मौसम में आवागमन में राहत मिल सकेगी।

खरखौदा शहर में अकसर हल्की बारिश के दौरान ही सड़कों पर जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे जहां लोगों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ती है, वहीं बाजारों में कामधंधे चौपट होने से दुकानदारों को भी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता है। स्थानीय लोग प्रशासन से कई बार सड़कों पर पानी की निकासी का प्रबंध करवाने की गुहार लगा चुके हैं। लोगों की समस्या का समाधान करवाने के लिए एसएमडीए को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

एसएमडीए की बैठक के दौरान मई 2024 में करीब 42.90 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया गया था। बजट को मंजूरी मिलने के बाद एसएमडीए ने टेंडर प्रक्रिया को शुरू कर दिया है।

अधिकारियों की मानें तो खरखौदा के मुख्य मार्गों पर 3.8 किलोमीटर लंबी स्टॉर्म वाटर लाइन डाली जाएगी। सड़कों पर होने वाले जलभराव को रोकने के लिए तीन इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन (आईपीएस) का निर्माण करवाया जाएगा। यह आईपीएस थाना कलां रोड, सांपला रोड व मटिंडू रोड पर बनाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद यहां से पानी की निकासी सीधे ड्रेन नंबर-8 में की जा सकेगी। इससे खासकर बारिश के मौसम में सड़कों पर जलभराव नहीं होगा।

### डेढ़ माह में काम शुरू होने की संभावना

टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद फाइल को सरकार के पास भेजा जाएगा। मुख्यालय से मंजूरी मिलने के बाद एसएमडीए की ओर से खरखौदा की सड़कों पर होने वाली जलभराव की स्थिति पर काम शुरू करवाया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि टेंडर प्रक्रिया व सरकार से अलॉटमेंट लेने में करीब 1 या डेढ़ माह का समय लग सकता है। इसके बाद खरखौदा वासियों की इस वर्षों पुरानी समस्या पर काम शुरू हो सकेगा। खरखौदा में कई साल से जलभराव की समस्या झेलते आ रहे लोगों को राहत दिलाने के लिए सरकार लाखों रुपये खर्च कर चुकी है, लेकिन शहरवासियों को आज तक समस्या से निजात नहीं मिल पाई है।

### अब लोगों को मिलेगी राहत

खरखौदा में पानी की निकासी को दुरुस्त बनाने के लिए कई बार मुख्यालय स्तर पर भी योजनाएं तैयार की जा चुकी है, लेकिन वह भी वास्तव में आगे नहीं बढ़ पाई। मामले को करीब 10 वर्ष पहले पूर्व शहरी निकाय मंत्री कविता जैन भी चंडीगढ़ में वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष उठा चुकी हैं। हालांकि उनके इस प्रयास पर दिसंबर 2023 में जनस्वास्थ्य विभाग से स्टॉर्म वाटर लाइन डलवाने के लिए 9.75 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे, लेकिन बाद में योजना कागजों में सिमटकर रह गई थी।

### जलभराव की समस्या से मिलेगी राहत

सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण ने खरखौदा शहर की सड़कों पर होने वाली जलभराव की स्थिति को देखते हुए विशेष योजना तैयार की है। इसके बाद मुख्य मार्गों पर स्टॉर्म वाटर लाइन डालकर पानी निकासी का प्रबंध किया जाएगा। साथ ही उक्त पानी के लिए तीन आईपीएस बनाकर उसे ड्रेन नंबर-8 तक पहुंचाया जाएगा। इससे सड़कों पर होने वाली जलभराव की स्थिति से मुक्ति मिल सकेगी।

**-कृष्ण धनखड़, अधीक्षण अभियंता, सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण**

## न्यूज डायरी

### डीबीएम स्कूल के दिव्यांगों को योग में बनाया पारंगत

**गोहाना।** गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग स्थित डीबीएम विशेष विद्यालय में आयोजित छह दिवसीय योग शिविर शनिवार को सम्पन्न हो गया। शिविर में योग शिक्षकों दिव्यांग बच्चों को उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग में पारंगत बनाया गया। संस्था के एमडी विकास मलिक ने इस अयोजन के लिए आयुष विभाग का आभार व्यक्त किया। हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में डीबीएम विशेष विद्यालय में छह दिवसीय योग शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को योग के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. राम अवतार, जिला को-ऑर्डिनेटर डॉ. विनोद, नोडल अधिकारी डॉ. पारुल व योग विशेषज्ञ डॉ. संगीता के मार्गदर्शन यह शिविर आयोजित हुआ। शिविर में दिव्यांग योग सहायक सुनील कुमार, अरुण कुमार, प्रवीन देवी, प्रोमिला मलिक और सुमन देवी ने दिव्यांग बच्चों को योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया। शिविर के समापन पर आयुष विभाग द्वारा दिव्यांग बच्चों में रिफ्रेशमेंट भी बांटी गई। इस अवसर पर सोनू भी उपस्थित रहे।

### विद्यार्थियों को वंदना एवं शुद्ध उच्चारण का महत्व बताया

**गोहाना।** गीता विद्या मंदिर, गोहाना में शनिवार को संकुल स्तरीय एक दिवसीय संगीत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोहतक संकुल के 11 विद्यालयों से 9 विद्यालयों की सहभागिता रही। एक संपर्कित विद्यालय ने भी इस प्रशिक्षण वर्ग में भाग लिया। प्रशिक्षण वर्ग में 11 आचार्यों के साथ 25 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की। प्राचार्य अश्वनी कुमार एवं प्रांत संगीत प्रमुख रजनी ने द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर संगीत प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते वंदना का महत्व एवं शुद्ध उच्चारण पर बल देने के लिए प्रेरित किया। कहा कि वंदना को केवल वंदना नहीं बल्कि एक मंत्र के रूप में प्रयोग करें। प्रथम सत्र में बहु अकबरपुर विद्यालय के संगीत आचार्य सुरेंद्र ने वंदना और द्वितीय सत्र में प्रांत संगीत प्रमुख रजनी द्वारा अप्रैल मास के गीत राष्ट्र सेवा हित समर्पित का अभ्यास करवाया गया। तृतीय सत्र में गीता विद्या मंदिर, गोहाना की आचार्या मुनेश ने मई मास के गीत भारत की पावन माटी का तिलक लगाते हैं का अभ्यास करवाया।

# लक्ष्य भेदने के लिए मेहनत करें और अपना इरादा मजबूत रखें: अमरजीत

- महिला कालेज के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभाएं सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

**गोहाना।** मेधावियों को पुरस्कृत करते राज्य सूचना आयोग कमिश्रर अमरजीत और शिक्षकगण।

राजकीय महिला कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभावान छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी सांगवान ने की और संयोजन डॉ. सतीश कुमार का रहा। समारोह के मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयोग कमिश्रर अमरजीत सिंह ने कहा कि छात्राएं लक्ष्य के साथ आगे बढ़ें और उसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करें। अगर इरादा मजबूत हो और मेहनत करने की आदत हो तो किसी भी लक्ष्य को भेदना मुश्किल नहीं है। कमिश्रर ने कहा कि माता-पिता जन्मदाता और गुरु भविष्य निर्माता होता है। इसीलिए जीवन में इनका हमेशा मान-सम्मान करना। समारोह में प्राचार्या डॉ. मीनाक्षी सांगवान ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। वार्षिक समारोह में महाविद्यालय की 130 मेधावी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। प्रो. शमशेर भंडेरी, चांद सिंह, डा. एकता वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

**गोहाना।** माता सीता को याद करते हुए नागरिक। *फोटो: हरिभूमि*

### माता सीता को जयंती पर किया याद, श्रद्धांजलि दी

**गोहाना।** मुख्य बाजार में जनकपुर गेट स्थित श्री राम साईं मंदिर में शनिवार को देवी माता सीता का जयंती समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सक्षम समाज सेवा संगठन के तत्वावधान में आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह डांगी ने कहा देवी माता सीता भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की आदर्श, नारी शक्ति की प्रतिमूर्ति, त्याग, प्रेम, धैर्य, करुणा और संयम की अधिष्ठात्री थी। उनके जीवन में न तो भौतिक वैभव की लालसा थी और न प्रतिशोध भावना अपितु सदैव धैर्य, भक्ति और समर्पण ने उन्हें शक्ति प्रदान की। इसलिए उन्हें त्याग व धैर्य की प्रतिमूर्ति कहा जाता है। जयंती समारोह की अध्यक्षता सक्षम समाज सेवा संगठन की सदस्य विनय तनेजा ने की। उन्होंने कहा सीता माता भारतीय संस्कृति में आदर्श स्त्री आचरण की रूपरेखा बनी। मार्गदर्शन मंदिर के पुजारी आचार्य जगदीश पांडे का रहा। इस मौके पर हर भगवान चोपड़ा, विजेंद्र रत्तेवाल, आशा तनेजा, कोमल तनेजा, पुष्पा गंगवानी, हेमादत्ता, कंचन मदान व तन्नू मिगलानी उपस्थित रहे।

# दमकल और नपा कर्मचारियों ने उल्टी झाड़ू लेकर निकाला रोष मार्च

- लंबित मांगों को लेकर 18वें दिन भी राज्यव्यापी हड़ताल जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

**सोनीपत।** रोष मार्च निकालते नपा कर्मचारी संघ व दमकल कर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर दमकल कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 18वें दिन राज्यव्यापी हड़ताल जारी रखी। निगम कार्यालय में 18वें दिन दमकल कर्मियों ने धरना देकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। धरने की अध्यक्षता राज्य के वरिष्ठ उपप्रधान एवं जिला प्रधान राजीव खत्री, संचालन जिला वरिष्ठ उपप्रधान वीरेंद्र ने किया। वहीं नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की सोनीपत इकाई का 11वें दिन धरना जारी रहा। धरने की अध्यक्षता भारत कंडेरा व संचालन इकाई सचिव राजा भाई ने किया। नपा कर्मचारी संघ के दमकल कर्मियों की हड़ताल का समर्थन करते हुए उल्टी झाड़ू लेकर नगर निगम कार्यालय से पीडब्ल्यू विश्राम गृह तक रोष मार्च निकाला। यूनियन के जिला प्रधान राजीव खत्री ने बताया कि समय रहते हड़ताल पर बैठे दमकल कर्मचारियों की जायज मांगों का पत्र जारी नहीं किया, तो हड़ताल अनिश्चितकालीन में भी तब्दील किया जाएगा। निगम चुनाव में जनता के बीच जाकर सरकार के झूठे वादे व चुनावी जुमले की पोल खोलने का काम किया जाएगा।

# संगठन के भविष्य की दिशा तय करता है नेतृत्व : नीरज

- ऋषिकुल वर्ल्ड अकादमी में अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

**सोनीपत।** कार्यक्रम के दौरान शपथ लेते विद्यार्थी।

ऋषिकुल वर्ल्ड अकादमी में शनिवार को अलंकरण एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संस्थापक एस के शर्मा और प्रबंधक नीरज शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय निर्देशिका रीमा शर्मा, प्रधानाचार्या चंचल शर्मा, मीनू शर्मा तथा पार्थ शर्मा भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विद्यालय में छात्र नेतृत्व का चयन करते देव और लकी को क्रमशः हेड बॉय और हेड गर्ल, जबकि आदित्य और आयुषी को वाइस हेड बॉय और वाइस हेड गर्ल बनाया गया। इसके साथ ही चारों सदनों जल, वायु, अग्नि और पृथ्वी के कैप्टन, वाइस कैप्टन और प्रीफेक्ट को बैज और शैश पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नीरज शर्मा ने कहा कि नेतृत्व किसी भी संगठन के भविष्य की दिशा तय करता है और यह बिना बल प्रयोग के लोगों के व्यवहार को प्रभावित करने की सतत प्रक्रिया है।

# भगवान वाल्मिकी पार्क व भवन के निर्माण पर करोड़ों रुपये खर्च होंगे

- नपा चेयरपर्सन ने गजराज मार्ग पर पार्क एवं भवन का शिलान्यास किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

**गोहाना।** चेयरपर्सन रजनी विरमानी को पगड़ी बांधकर सम्मानित करते नागरिक।

गोहाना के विकास को नई गति देते हुए शनिवार को नगर परिषद (नप) चेयरपर्सन रजनी विरमानी द्वारा गजराज मार्ग पर भगवान वाल्मिकी पार्क एवं भवन का शिलान्यास किया गया। चेयरपर्सन रजनी विरमानी के अनुसार भगवान वाल्मिकी पार्क एवं भवन के निर्माण पर करोड़ों रुपये खर्च होंगे। आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह भवन लोगों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र बनेगा और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समारोह में नप चेयरपर्सन के प्रति एवं पंजाबी महासभा के अध्यक्ष इंदरजीत विरमानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह में दंपति का फूलों की मालाओं से स्वागत किया गया। डॉ. गजराज कौशिक, नरेंद्र गहलावत, पार्षद अंजू राजौरा, विनोद राजौरा, पार्षद बबली, नगर पार्षदों में जगदीश राय, नरेंद्र, राम सिंह सैनी, सुरेंद्र कालड़ा, नन्हा राम, राजेश (सोनू), सुनील, पार्षद सुनील राजपाल, रमेश परुथी, मनोज, विकास आदि मौजूद रहे।

# सनशाइन कैंपस के विद्यार्थियों ने किया शानदार प्रदर्शन

- एचकेसीएल ने किया था हरियाणा टैलेंट सर्च प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

**खरखौदा।** विद्यार्थियों को सम्मानित करते मनीष।

हरियाणा टैलेंट सर्च प्रतियोगिता जो नवंबर 2025 में आयोजित की गई थी। जिसमें सनशाइन कैंपस खरखौदा के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। कैंपस के निर्देशक मनीष पाराशर ने बताया कि नंबर 2025 में आयोजित हरियाणा टैलेंट सर्च प्रतियोगिता एचकेसीएल द्वारा आयोजित की गई थी। जिसमें सैकड़ों छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लिया था। सनशाइन कैंपस से शुभम, पंकज, पदम, प्रशांत, शोख, लक्ष्य, मयंक छात्रों ने अपनी मेहनत के बलबूते पर इस प्रतियोगिता में सफलता हासिल की। सभी विजेता छात्रों को नकद पुरस्कार व मेडल देकर सम्मानित किया गया। सभी विजेता छात्रों का सनशाइन कैंपस में पहुंचने पर फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मनीष ने कहा कि सफलता छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है, जो अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मौके पर सह- निर्देशिका सुजाता शर्मा, मीनाक्षी जांगड़ा, लक्षिता दहिया स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

### कन्या कालेज में कैंसर की रोकथाम पर व्याख्यान

**खरखौदा।** उद्बोधन देते हुए हेल्थ एंड हाइजीन समिति इंचार्ज दर्शना।

**खरखौदा।** सावित्रीबाई फुले राजकीय राजकीय कन्या महाविद्यालय खरखौदा में कॉलेज इंचार्ज डॉ. योगिता की अध्यक्षता में हेल्थ एंड हाइजीन समिति इंचार्ज डॉ दर्शना के नेतृत्व और कमेटी सदस्य सुमन और डॉ.ममता के सहयोग से कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम के तहत एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। ह्यूमन केयर मेडिकल चैरिटेबल ट्रस्ट नई दिल्ली द्वारा संचालित मणिपाल सेंटर ऑफ रोबोटिक सर्जरी अस्पताल से कैंसर विशेषज्ञ डॉ नेहा मिश्रा और डॉ विक्रमजीत को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ दर्शना ने डॉ नेहा मिश्रा और उनकी टीम का परिचय स्टाफ सदस्यों और छात्राओं को करवाया। इसके बाद डॉ नेहा मिश्रा ने कैंसर की रोकथाम और इसका शीघ्र पता लगाना विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने महिलाओं में स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर, पित्त की थैली का कैंसर, फेफड़े और गुर्दे के कैंसर के साथ-साथ महिलाओं में पाई जाने वाले बच्चेदानी के कैंसर पर भी विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने एचपीवी और हेपेटाइटिस बी के टीकाकरण के बारे में भी बताया कि ये भी कैंसर के बचाव में लाभदायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने प्रश्न भी पूछे। डॉ. नेहा ने उनकी समस्याएं सुनी और उनको सुझाव भी दिए। हिंदी विभाग से डॉ प्रमिला ने डॉ नेहा और उनकी टीम का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम में 50 छात्राओं ने भाग लिया।

## साढ़े चार साल बाद मामले में 4 आरोपित रिहा

# लखबीर हत्याकांड मामले में रिहा सरबजीत का किया सम्मान

### जत्थेदार गुरु नारायण सिंह ने निःशुल्क पैरवी पर जाताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

**गन्नौर।** एडवोकेट जत्थेदार गुरु नारायण सिंह, जत्थेदार गुरु नारायण सिंह।

सिंघु बॉर्डर (कुंडली) पर किसान आंदोलन के दौरान 2021 में हुए चर्चित हत्या मामले में साढ़े चार साल बाद मामले में गिरफ्तार हुए आरोपित सरबजीत सिंह, भगवंत सिंह, गोविंद प्रीत सिंह और जत्थेदार गुरू नारायण सिंह को अदालत ने मामले में 4 आरोपितों को रिहा कर दिया। मुख्य आरोपित निंग जत्थेदार अमन के भगौड़ा होने पर केस अलग से विचाराधीन था। शुक्रवार को सोनीपत जेल से रिहा होने के बाद दिल्ली गुरूद्वारे में माथा ठेकने के बाद गन्नौर पहुंचने पर जी टी रोड स्थित उन्हें रिहा करवाने वाले एडवोकेट अक्षय त्यागी,विपित त्यागी अन्य किसानों ने उनका स्वागत किया। जत्थेदार गुरू नारायण सिंह ने बताया कि साढे चार साल जेल में रहने के बाद उन्हें भक्ति की और भगवान ने उन्हें न्याय दिलाया। वे अदालत का सम्मान करते है कि उन्हें न्याय मिला। उन्हें अन्दोलन के दौरान किसानों का जो सहयोग मिला, उसके वे हमेशा ऋणी रहेंगे। मुख्य आरोपित सरबजीत ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था। उनका भरोसा कामयाब रहा। वे सभी का शुक्रिया करते है। भावुक हुए जत्थेदार गुरू नारायण सिंह ने कहा कि आज रिहा की खुशी है तो वही इस बात का गम है कि जिन घोड़ों पर सवार होकर वे आए थे और आन्दोलन में उनके साथ रहे। जब वे जेल गए तो पंजाब डेरे में आने के बाद देखा कि उनके मालिक तो नही आए। उसके बाद उन्होंने खाना पीना त्याग दिया था और उनकी मौत हो गई थी। आज उनकी बहुत याद आ रही जब घोड़े के बजाय गाड़ी में बैठकर जा रहे है।

### एडवोकेट अक्षय त्यागी की सराहना की

*जेल से रिहा होने के बाद जत्थेदार गुरू नारायण सिंह ने उनके केस की निशुल्क पैरवी करने पर किसान का बेटा बताते हुए एडवोकेट अक्षय त्यागी की सराहना की और कहा कि शुरूआत में जब केस पैरवी के लिए उनके डेरे के लोगों ने वकालत फीस देने के लिए कहा था तो उन्होंने कहा था कि अगर और पैसों की जरूरत होगी तो किसान हित में पैसों का भी योगदान देंगे।*

### आंदोलन के बीच हुई थी पंजाब के युवक की हत्या

सिंघु बॉर्डर पर किसान आंदोलन के दौरान वर्ष 2021 में आंदोलन स्थल के पास एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। जिसमें युवक की बेरहमी से हत्या की गई थी। आंदोलन में शामिल कई संगठनों ने वारदात की निंदा की थी वहीं इस घटना ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था और किसान आंदोलन के बीच यह मामला लंबे समय तक चर्चा में बना रहा।

### 3 माह बाद नगर निगम व दिल्ली आईआईटी के बीच लेआउट तैयार करने का समझौता रद्द

# ड्रेन 6 के निर्माण पर ₹139.29 करोड़ खर्चने पर भी शहर में सुविधा का अभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम का दावा, 9.5 करोड़ रुपये मंजूर, वर्ष 2026 में अधूरी योजना को चढ़ाया जाएगा सिरे

शहर के बीचों-बीच गुजर रही ड्रेन नंबर-6 को आधुनिक रूप देकर शहर की सुंदरता बढ़ाने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का सपना नगर निगम ने करीब छह वर्ष पहले देखा था। इस योजना का उद्देश्य न केवल जल निकासी की समस्या का समाधान करना था, बल्कि इसे एक आकर्षक और व्यवस्थित शहरी कॉरिडोर के रूप में विकसित करना भी था। हालांकि, करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यह महत्वाकांक्षी परियोजना आज भी अधूरी पड़ी है, जिससे शहरवासियों में निराशा और असुविधा दोनों बढ़ती जा रही हैं। नगर निगम द्वारा ड्रेन नंबर-6 के निर्माण कार्य को दो भागों में विभाजित किया गया था, जिस पर अब तक लगभग 139.29 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसके बावजूद निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है।

अधूरी पड़ी इस ड्रेन के कारण कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित हो रहा है, वहीं खुले हिस्सों से दुर्गंध और दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। इस परियोजना को गति देने के उद्देश्य से 16 जनवरी को दिल्ली से आईआईटी की एक टीम ने नगर निगम अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान ड्रेन के अधूरे हिस्सों को पूरा करने के लिए एक विस्तृत योजना और लेआउट तैयार करने की जिम्मेदारी टीम को सौंपी गई थी। उम्मीद थी कि करीब 20 दिनों के भीतर रिपोर्ट और लेआउट निगम के उच्च अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा, ताकि आगे का कार्य शुरू किया जा सके। लेकिन तीन महीने बीत जाने के बाद भी रिपोर्ट और लेआउट नहीं मिलने से नगर निगम ने आईआईटी टीम के साथ किया गया समझौता रद्द कर दिया। इसके बाद निगम ने एक निजी कंपनी, एक्सएल टेक, को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी है।

#### अन्य कंपनी को लेआउट तैयार करने की जिम्मेदारी दी

अधूरे निर्माण को पूरा करवाने के लिए राज्यस्तरीय तकनीकी समिति (एसएलटीसी) की बैठक में 9.50 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल चुकी है। दिल्ली आईआईटी टीम को सौंपी गई रिपोर्ट व लेआउट तैयार करने की जिम्मेदारी समय पर पूरी नहीं होने के कारण समझौता रद्द कर दिया गया है। अब एक अन्य कंपनी को लेआउट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। कंपनी के अधिकारी एक सप्ताह के अंदर लेआउट तैयार कर विभाग को सौंप सकते हैं। इसके बाद उच्च अधिकारियों के परामर्श के बाद शेष कार्य को शुरू करवाया जाएगा।

-पद्मभूषण, कार्यकारी अभियंता, नगर निगम, सोनीपत

■ नगर निगम ने अब एक्सएल टैक कंपनी को लेआउट तैयार करने की सौंपी जिम्मेदारी

#### बदबू आसपास के लोगों के लिए बनी बड़ी समस्या

एक्सएल टेक कंपनी के कर्मचारी ड्रेन का निरीक्षण कर चुके हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि एक सप्ताह के भीतर नई रिपोर्ट और लेआउट तैयार कर निगम को सौंप दिया जाएगा। नगर निगम का लक्ष्य है कि वर्ष 2026 तक इस परियोजना को पूरा कर लिया जाए, ताकि शहरवासियों को करनाल के मुगल कैनाल की तर्ज पर एक सुंदर और सुविधाजनक स्थल मिल सके। हालांकि, वर्ष 2025 में इस परियोजना पर कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर में कई स्थानों जैसे दिल्ली रोड, बस अड्डे के पास, राठधना और बहालगढ़ रोड पर पुलों का ड्रेन से जुड़ाव अधूरा पड़ा है। इन स्थानों पर अधूरी संरचना के कारण न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। इसके अलावा खुले ड्रेन से उठने वाली बदबू आसपास के लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। नगर निगम ने इन खामियों को छिपाने के लिए कुछ स्थानों पर अस्थायी सौंदर्यीकरण का सहारा लिया है। मामा-भांजा चौक के पास पुलिया पर ग्रिल लगाकर और बागवानी की चित्रकारी कर इसे आकर्षक बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। इस परियोजना की शुरुआत अटल मिशन (अमृत) योजना के तहत की गई थी। देवडू रोड से शादीपुर तक ड्रेन को पक्का करने और उसके आसपास सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाना था। इस योजना का शिलान्यास केंद्रीय ऊर्जा मंत्री और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा किया गया था। ड्रेन के पहले भाग (पार्ट-1) पर लगभग 92 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन 250 मीटर क्षेत्र में कार्य अधूरा है।

#### शेष निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा

निगम का दावा है कि 2024 में मानसून से पहले 92 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया था, लेकिन इसके बाद कार्य लगभग ठप पड़ गया। दूसरे भाग (पार्ट-2) का निर्माण 47.29 करोड़ रुपये की लागत से अप्रैल 2024 तक पूरा किया गया। हालांकि, इस दौरान भी कई बाधाएं सामने आईं। विशेष रूप से 800 मीटर क्षेत्र में 112 पेड़ निर्माण कार्य में रुकावट बने, जिन्हें हटाने में करीब दो वर्ष का समय लग गया। अब नगर निगम ने वर्ष 2026 में इस अधूरी परियोजना को पूरा करने का संकल्प लिया है। इसके लिए 9.50 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की गई है। राज्यस्तरीय तकनीकी समिति (एसएलटीसी) की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिल चुकी है। नई कंपनी द्वारा तैयार किए जाने वाले लेआउट के आधार पर शेष निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। योजना के तहत आईटीआई चौक के पास सेक्टर-12 मार्ग स्थित पुलिया से बहालगढ़ तक डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण भी प्रस्तावित है। इस सड़क के दोनों ओर ग्रीन बेल्ट विकसित की जाएगी, जिसके लिए 34 करोड़ रुपये की मंजूरी मिल चुकी है। परियोजना के पूरा होने के बाद न केवल जल निकासी की समस्या का समाधान होगा, बल्कि शहर की सुंदरता भी बढ़ेगी।

■ आईटीआई चौक के पास सेक्टर-12 मार्ग स्थित पुलिया से बहालगढ़ तक डेढ़ किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण भी प्रस्तावित है

## दो नेत्रहीनों को मिलेगी नई रोशनी

**सोनीपत।** महात्मा आशानन्द वधवा हिन्दू मंच सोनीपत के सहयोग से अशोक नगर निवासी स्वर्गीय ओम प्रकाश चांदना का मरणोपरांत नेत्रदान सम्पन्न कराया गया। स्वर्गीय ओम प्रकाश चांदना के निधन के उपरांत उनके परिजनों ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए नेत्रदान के लिए सहमति प्रदान की। नेत्रदान की प्रक्रिया मंच के महासचिव हरभगवान रहेजा और प्रधान हरि चन्द स्नेही की प्रेरणा से सम्पन्न हुई। इस कार्य में दिवंगत के पुत्र अतुल कुमार, पुत्रवधु ममता चांदना, दामाद खेम चन्द, पुत्री रजनी तथा ओम प्रकाश झांब ने सहमति और सहयोग प्रदान किया। नेत्रदान की प्रक्रिया श्रॉफ अस्पताल के तकनीशियन नरेन्द्र लोहमोर और उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक पूरी की गई। मंच पदाधिकारियों ने परिवार का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस नेत्रदान से शीघ्र ही दो नेत्रहीनों को दृष्टि प्राप्त होगी, जिससे वे नया जीवन अनुभव कर सकेंगे।

## रौनक का राष्ट्रीय ट्रैकिंग कैंप के लिए चयन

**सोनीपत।** छोटू राम आर्य महाविद्यालय, सोनीपत के एनसीसी कैडेट रौनक का राष्ट्रीय स्तर के एनसीसी ट्रैकिंग कैंप के लिए चयन हुआ है। यह कैंप 18 मई से 25 मई 2026 तक हिमाचल प्रदेश के रामपुर क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से चयनित एनसीसी कैडेट भाग लेंगे। रौनक बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र है और उसके चयन को महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जेएस फोर, एनसीसी इंचार्ज सतीश राठी तथा डॉक्टर अमरजीत ने कैडेट रौनक को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## वंशिका का राई स्पोर्ट्स के लिए चयन

**खरखौदा।** राजकीय प्राथमिक पाठशाला मटिंडू की छात्रा वंशिका दहिया का चयन राई स्पोर्ट्स स्कूल में पांचवीं कक्षा में हुआ है। वंशिका के पिता एवं खुर्मपुर निवासी विनोद कुमार गांव रोहणा में सामान्य सेवा केंद्र चलाते है। वंशिका की माता गृहिणी है। मुख्य अध्यापक सतीश, सुमित्रा व सुमन ने वंशिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। वे बताते हैं कि वंशिका एक होनहार छात्रा है, जो उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित करने की क्षमता रखती है। शिक्षकों के अनुसार वह सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी बढ़ चढ़कर भाग लेती रही है।

## अभिभावकों का तिलक लगा किया स्वागत

**खरखौदा।** कल्पना चावला विद्यापीठ में अभिभावक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य माता-पिता और विद्यालय के बीच बेहतर तालमेल बिठाना और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर चर्चा करना था। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा अभिभावकों का पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या उषा वत्स, प्राथमिक प्रभारी रितु, उपस्थित अध्यापकों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर और पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें हरियाणवी नृत्य और पंजाबी नृत्य मुख्य आकर्षण रहा। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्या उषा ने कहा कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए विद्यालय और अभिभावकों का सामंजस्य अनिवार्य है। प्राथमिक प्रभारी रितु ने अभिभावकों से बच्चों के प्रति जागरूक रहने, उनके शैक्षिक सफर में सक्रिय भूमिका निभाने और विद्यालय के साथ हर समस्या के समाधान के लिए मिलकर चलने का आह्वान किया।

## वार्ड नंबर 8 से भाजपा प्रत्याशी कुणाल कौशिक ने नामांकन दाखिल करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

नगर निगम के वार्ड 8 से भाजपा प्रत्याशी कुणाल कौशिक ने अपना नामांकन दाखिल किया। कौशिक ने मुख्यमंत्री नायब सैनी व प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली का आभार जताते हुए कहा कि भाजपा सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों से लोग खुशहाल है। उन्होंने कहा कि वे एबीवीपी के सक्रिय सदस्य है।

सोनीपत के युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष है। लोगों को पार्टी की नीतियों से अवगत करवाया है। वे भाजपा के कार्यकर्ता रहे है। कुणाल कौशिक ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश और प्रदेश में विकास की नई मिसाल कायम की है और उसी तर्ज पर नगर निगम में भी बेहतर कार्य किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र को लेकर पार्टी काम कर रही है।

## खड़ी फसल में आग लगाने का आरोप, 22 पर केस दर्ज

**गोहाना।** गांव छपरा में खेतों के रास्ते के विवाद की रंजिश में खड़ी गेहूं की फसल में आग लगा दी गई। किसान कर्मबीर की शिकायत पर बरोदा थाना में 22 लोगों पर केस दर्ज किया गया। कर्मबीर के अनुसार उसके पास लगभग 28 कनाल जमीन है, जबकि कुछ जमीन उसके भतीजों व उनके बेटों के नाम है। जमीन के रास्ते को लेकर उसका अपने भतीजे के साथ कोर्ट में केस चल रहा है। वह शुक्रवार को गेहूं कटाई के लिए खेतों में कंबाइन और ट्रैक्टर लेकर गया था। आरोप है कि इसी दौरान संजीव, ललित, अंकित, समेत कई लोग मौके पर पहुंचे और गाली-गलौच करते हुए उसकी खड़ी गेहूं की फसल में आग लगा दी।

## भाजपा के पूर्व निगम पार्षद पुनीत त्यागी ने पंचायती उम्मीदवार के तौर पर भरा पर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

राई। पंचायती उम्मीदवार पुनीत त्यागी अपना नामकंन दाखिल करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

भाजपा में काफी सक्रिय रहे पूर्व निगम पार्षद व त्यागी समाज के प्रदेशाध्यक्ष पुनीत त्यागी ने नगर निगम के वार्ड 8 से पंचायती उम्मीदवार के तौर पर काफी संख्या में मौजूद वार्ड के लोगों के साथ अपना नामांकन दाखिल करवाया।

नामकंन दाखिल करने से पूर्व राई में अपने कार्यालय पर अपने वार्ड के लोगों को एकत्र करके राय ली। सभी के सुझाव के बाद पुनीत को पंचायती उम्मीदवार घोषित किया और बड़े बुजुर्गों ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए नामांकन दाखिल करने के लिए भेजा। पंचायती उम्मीदवार पुनीत राई ने कहा कि पूरे पांच साल मेहनत, लग्न व लोगों के आशीर्वाद से कार्य किया। ये चुनाव कार्यकर्ताओं की अनदेखी का चुनाव है।

### ग्लोबल पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी सप्ताह मनाया

## भाषण प्रतियोगिता में युग और रितिका ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

खानपुर कलां गांव स्थित ग्लोबल पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी सप्ताह आयोजित किया गया। अंग्रेजी भाषा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना, अंग्रेजी बोलने, लिखने और समझने के कौशल का विकास करना था। मार्गदर्शन स्कूल के एमडी पंकज जाले का रहा और अध्यक्षता प्राचार्या प्रीति शर्मा ने की। अंग्रेजी सप्ताह के अंतर्गत सुलेख प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, कविता वचन तथा लघु नाटिका प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों की प्रतिभा तराशी गई। अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में कक्षा छठी से युग और कक्षा आठवीं से रीतिका प्रथम घोषित किए गए। इनके अलावा कक्षा छठी से तनिष्का, कक्षा छठी से आद्या, कक्षा आठवीं से वंशिका और मयंक ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया। प्राचार्या प्रीति शर्मा ने संबोधन में कहा कि अंग्रेजी आज के समय में विश्व से जुड़ने की एक खिड़की के समान है। जीवन में अच्छी उपलब्धि हासिल करने के लिए अंग्रेजी का ज्ञान होना आवश्यक है।

## नपाध्यक्ष अरुण ने वार्ड 8 में 4 लाख की लागत से बनी गली का किया उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

वार्ड 8 स्थित चिरंजीलाल पार्क के पास नवनिर्मित गली का रविवार को उद्घाटन किया गया। करीब 4 लाख रुपये की लागत से तैयार इस गली का उद्घाटन नपाध्यक्ष अरुण त्यागी ने किया और इसे आमजन को समर्पित किया। इस मौके पर स्थानीय निवासियों ने नपाध्यक्ष का स्वागत करते हुए क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों के लिए आभार जताया। लोगों ने बताया कि पहले गली कच्ची होने के कारण बारिश के दिनों में जलभराव और कीचड़ की समस्या बनी रहती थी, जिससे आवागमन में भारी परेशानी होती थी। अब पक्की गली बनने से बड़ी राहत मिली है। नपाध्यक्ष अरुण त्यागी ने कहा कि शहर के सभी वार्डों में समान रूप से विकास कार्य करवाए जा रहे हैं और जनता की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यक्रम में पार्षद विकास शर्मा, हरविंद्र त्यागी, अंकित त्यागी, राकेश, जीत, पवित्र, प्रदीप, सुखबीर, रोहित आदि मौजूद रहे।

## दीक्षा भारद्वाज ने जीता गोल्ड मेडल

**गोहाना।** शहर में गुढ़ा मार्ग स्थित गीता विद्या मंदिर की कक्षा 12वीं (कॉमर्स) की छात्रा दीक्षा भारद्वाज ने 5 किलोमीटर मैराथन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। शनिवार को विद्यालय में प्राचार्य अश्विनी कुमार व शिक्षकों ने छात्रा को अपना आशीर्वाद देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। 19 अप्रैल को एशिया पृथ्वी दिवस एलन मेरकाडो द्वारा गुरुग्राम में 5 किलोमीटर मैराथन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य पृथ्वी संरक्षण का संदेश देना था। छात्रा दीक्षा भारद्वाज ने इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करके विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय में खुशी का माहौल है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी<br>10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 2000/-<br>रु. 2500/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

### जीवीएम कॉलेज में सम्मान समारोह का आयोजन

# यूनिवर्सिटी टॉपर्स को किया सम्मानित

डीसीआरयूएसटी मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को भी किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

**सोनीपत।** टॉपर्स को सम्मानित करते हुए संस्था के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

जीवीएम कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट सोनीपत में बीबीए, बीसीए, एमबीए और एमसीए के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए भव्य फेयरवेल पार्टी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जीवीएमआईटीएम के प्रधान डा. ओपी परुथी, कोषाध्यक्ष राजेश रेलन व प्राचार्या डा. मंजू पपरेजा ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर दीनबंधु छोटू राम साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय के गोल्ड मेडलिस्ट एवं यूनिवर्सिटी टॉपर्स को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। एमबीए की छात्रा अंजलि को गोल्ड मेडलिस्ट एवं यूनिवर्सिटी टॉपर, एमसीए के छात्र साजल जैन को गोल्ड मेडलिस्ट एवं यूनिवर्सिटी टॉपर तथा आकांक्षा को भी गोल्ड मेडलिस्ट एवं यूनिवर्सिटी टॉपर बनने पर ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा डीसीआरयूएसटी मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएं हंसिका, भावना और कुसुम को भी उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया।

समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों भी आयोजित की गई। इस दौरान बीबीए फाइनल ईयर में निकिता को मिस पर्सनैलिटी, नितिका को मिस चार्मिंग और रीत को मिस फेयरवेल चुना गया। एमबीए में पायल को मिस चार्मिंग और सेजल को मिस फेयरवेल का खिताब मिला। बीसीए में श्रुति को मिस फेयरवेल, प्राची/तनिषा पंचाल को मिस पर्सनैलिटी तथा साकी/तनिषा को मिस चार्मिंग चुना गया। वहीं एमसीए में निकिता को मिस फेयरवेल और अंजलि पवार को मिस पर्सनैलिटी का खिताब दिया गया।

## 48 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

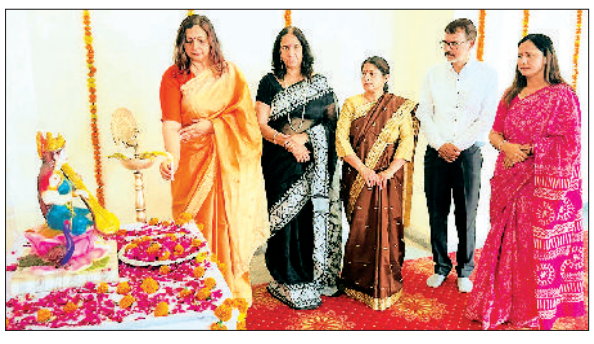

**खरखौदा।** शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय पिपली में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा जिला अधिकारी डॉ तराना नेगी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. किरन सरोहा ने की। डॉ. तराना नेगी ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कॉलेज की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। समारोह के दौरान विभिन्न संकायों कला एवं वाणिज्य में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले 48 विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। खेल-कूद - 9, एनएसएस - 3, सांस्कृतिक कार्यक्रम - 9 व अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में लगभग 25 विशेष उपलब्धियाँ हासिल करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया। डॉ तराना नेगी ने विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन, परिश्रम, समय प्रबंधन एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश और डॉ. रेखा द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 26 अप्रैल 2026


विशेषः अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

आवरण कथा / प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल

नृत्य ऐसी कला है, जो जीवन को उमंगित कर देती है। जिनके जीवन में नृत्य शामिल होता है, वे हर पल संतुलित, आनंदित महसूस करते हैं। नृत्य दिवस के अवसर पर यहां अलग-अलग शैली के नर्तक और नृत्यांगनाएं बता रहे हैं नृत्य का उनके जीवन में क्या महत्व है? यानी, नृत्य ने उनके जीवन को किस-किस स्तर पर बदला, उसे अलग दिशा प्रदान की? जब नृत्य के दौरान वे उसमें पूरी तरह खो जाते हैं तो उस समय किस तरह की अनुभूति होती है? और शारीरिक-मानसिक सेहत बेहतर करने में नृत्य की भूमिका को कितना महत्वपूर्ण मानते हैं?

# जीवन की सरगम पर तन-मन की थिरकन

## नृत्य से जीवन में निखार आता है

**कविता द्विवेदी,** ओडिसी नृत्यांगना

**नृत्य मेरे** लिए जीवन है और मेरे जीवन में नृत्य है। मैं ऐसा महसूस करती हूं कि अगर मेरे जीवन में नृत्य नहीं होता तो मेरे जीवन का कोई अस्तित्व भी नहीं होता। नृत्य ने समय-समय पर मेरे जीवन को बदला, स्थापित किया। मुझे अलग-अलग स्तर पर पहचान दी, आगे बढ़ाया। इसी की वजह से मुझे कॉलेज में स्कॉलरशिप मिली और देश दुनिया में अपनी कला दिखाने का अवसर मिला। मैं दृढ़ विश्वास से आगे बढ़ पाई। सन 2013 में मुझे ओडिसा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार का भी मेरे जीवन में बहुत महत्व रहा है। नृत्य के माध्यम से मैंने खुद को खोजा, समझा कि मुझमें क्या अच्छाई है, क्या कमी? जब भी मैं नृत्य करती हूं, उसमें खो जाती हूं। उसके बाद मैं नृत्य के शिखर बिंदु पर पहुंच जाती हूं। वहां तो मुझे अपनी कोई सुधबुध नहीं रहती। पूर्ण समर्पण के साथ मैं नृत्य में डूबी होती हूं। उस दौरान एक दिव्य शक्ति को महसूस करती हूं। जब मैं अपनी प्रस्तुति पूरी करती हूं, उसके बाद मुझसे कुछ बोला ही नहीं जाता, मैं चुप हो जाती हूं। कभी महसूस करती हूं कि अब मुझे एकांत चाहिए। जिस शक्ति के साथ मैं नृत्य कर रही थी, उसी शक्ति के साथ मैं कुछ वक्त बिताऊं। नृत्य से मुझे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में नृत्य को शामिल करना चाहिए। नृत्य से जीवन में निखार आता है। नृत्य के माध्यम से आप समाज में अलग पहचान, महत्व बनाते हैं। बहुत त्याग और तपस्या से मैंने नृत्य के माध्यम से देश-दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। *

## तन-मन-जीवन के लिए जरूरी है नृत्य

**श्रुति सिन्हा,** कथक नृत्यांगना

**नृत्य मेरे** जीवन का महत्वपूर्ण, बहुआयामी हिस्सा है। नृत्य ने मुझे जीने का सकारात्मक नजरिया दिया। मेरा शरीर, मन और आत्मा पूरे तरीके से नृत्य में डूबे रहते हैं। मैं नृत्य के जरिए खुद को बहुत मजबूत महसूस करती हूं। जीवन में जितने भी उतार-चढ़ाव आते हैं, उससे उबरने में नृत्य मेरी बहुत सहायता करता है। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और पेशेवर स्तर पर नृत्य का मुझ पर बहुत प्रभाव रहा। आज नृत्य के कारण ही सामाजिक स्तर पर मुझे इतना मान-सम्मान मिलता है। नृत्यांगना, नृत्य शिक्षिका और कोरियोग्राफर के रूप में मेरी पहचान है। नृत्य ने ही मुझे सकारात्मक, ऊर्जावान बनाया। आत्म खोज व अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ना सिखाया। रचनात्मक नई सोच और कल्पनाशक्ति प्रदान की। इस तरह नृत्य ने मुझे जीवन में बहुत कुछ दिया है। कई बार नृत्य करते हुए मैं जब उसमें पूरी तरह खो जाती हूं, उस समय जो अनुभूति होती है उसे शब्दों में बताना मुश्किल है। उस अनुभूति को सिर्फ महसूस किया जा सकता है। उस समय मैं सिर्फ अपने आप में लीन होकर नृत्य में डूबी होती हूं। शायद इसे ही नृत्य के जरिए मनुष्यतत्व का देवतत्व तक पहुंचना कहते हैं। नृत्य बहुत अच्छा व्यायाम भी है, जिससे शरीर लचीला, मजबूत और ऊर्जावान बनता है। नृत्य आत्मविश्वास बढ़ाता है, तनाव, चिंता व अवसाद कम करता है। नृत्य, संगीत और ताल के साथ जुड़कर मन को खुशी व शांति देता है। मन को संतुलित करने के साथ-साथ पूरे व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाता है। इस तरह नृत्य शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों के लिए बहुत लाभकारी होता है। मेरा मानना है कि नृत्य को अपने डेली रूटीन में शामिल करने से सकारात्मक सोच बढ़ती है। आलस नहीं रहता। शरीर बीमारियों से दूर रहता है। अतः हम किसी भी उम्र के हों, नृत्य जरूर करना चाहिए। *

## नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है

**बीके अतुल गोस्वामी,** कंटेंपरेरी डांसर-कोरियोग्राफर

**मेरे लिए** नृत्य केवल एक कला नहीं बल्कि मेरी पहचान है। नृत्य ने मेरे शरीर को शक्ति, मन को शांति और मेरी आत्मा को मुझसे जोड़ा है। जहां शब्द रुक जाते हैं, वहां से मेरा नृत्य शुरू होता है यानी नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। जब मैं नृत्य करता हूं और पीक पर पहुंच जाता हूं, उस समय मुझे यह महसूस होता है कि मैं डांस नहीं कर रहा हूं बल्कि मेरी आत्मा मेरे शरीर से डांस करवा रही है। उसके बाद हर बीट दिल की धड़कन बन जाती है और दुनिया कुछ पलों के लिए ठहर सी जाती है। डांस करते हुए मैं इस पीक को हमेशा महसूस करता हूं क्योंकि उन पलों में मैं खो जाता हूं। नृत्य केवल शरीर की ही नहीं बल्कि मन की थेरेपी भी होती है। नृत्य वो ताकत है, जो तनाव को भी ऊर्जा में बदल देता है। जैसे ही आप डांस करना शुरू करते हैं, शरीर में जितनी भी नकारात्मकता है, वह अपने आप रिलीज होने लगती है और आप बहुत हल्का महसूस करते हैं। अगर आप रूटीन में अपनी पसंद का कोई भी डांस शामिल करें तो यह आपको फ्रीडम का एहसास कराएगा। डांस के हर बीट पर आप अपने तनाव को कम करते जाते हैं। यह आपको शारीरिक रूप से तो फिट रखता ही है, साथ ही सोच व विचारों को सकारात्मक भी बनाता है। जब भी मैं तनाव महसूस करता हूं तो डांस करके खुद को हल्का और खुश महसूस करता हूं। इसलिए मैं तो यही सबसे कहता हूं कि हर इंसान को डांस जरूर करना चाहिए। *

## नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के करीब ले जाता है

**ऐश्वर्य हरीश,** भरतनाट्यम नृत्यांगना

**मेरे लिए** नृत्य केवल जीवन का हिस्सा नहीं है बल्कि मेरा जीवन ही है। मैं अपने परिवार की पांचवीं पीढ़ी से हूं, जो नृत्य कला से जुड़ी है। नृत्य मेरे खून में रचा-बसा है। बचपन से मैं देखती आ रही हूं कि यह मेरे साथ इस तरह जुड़ गया कि कभी लगा ही नहीं कि मैं कुछ अलग काम कर रही हूं। नृत्य ने मुझे अनुशासन और धैर्य सिखाया। खुद को समझना सिखाया। जैसे-जैसे मैं नृत्य करती गई यह मेरे लिए केवल नृत्य नहीं रहा बल्कि साधना बन गया। नृत्य हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के और करीब ले जाता है। कई बार लगता है कि जो मैं शब्दों में नहीं कह पाती, वह नृत्य अपने आप कह देता है। नृत्य में जो पीक स्टेज होती है, उसे शब्दों में कह पाना मुश्किल है। क्योंकि उस समय आप नृत्य कर नहीं रहे होते बल्कि नृत्य बन जाते हो। एक अलग ही स्थिति होती है, जहां अहंकार धीरे-धीरे मिट जाता है। उस समय न तो समय का, न दर्शकों का और न ही मंच का बोध रहता है। बस लय भाव और एक प्रवाह रह जाता है। कभी लगता है कि बाहर और भीतर का भेद ही मिट गया है और जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने आप हो रहा है और आप उसका आनंद ले रहे होते हैं। अगर आप कृष्ण और यशोदा का संवाद दिखा रहे हैं तो आप ही कृष्ण, आप ही यशोदा हो जाते हैं। यह बहुत गहरा आनंद होता है। यह वह पल होता है, जहां कला साधना और अध्यात्म, तीनों एक हो जाते हैं। नृत्य शरीर का संतुलन अभ्यास भी है। इससे स्ट्रेंथ और स्टेमिना बढ़ता है। नृत्य की मुद्राएं शरीर में एक संतुलन उत्पन्न करती हैं और धीरे-धीरे यही संतुलन आपके जीवन जीने के तरीके और व्यवहार में भी आता है। जब आप नियमित रूप से नृत्य करते हैं तो एकाग्रता अपने आप बढ़ने लगती है। मन स्थिर हो जाता है। जीवन में तनाव भी कम होने लगता है। मेरा मानना है कि कला इंसान को सकारात्मक बनाती है। जब आप संगीत के साथ थोड़ी देर लय ताल में थिरकते हैं तो आपकी ऊर्जा अपने आप बदलने लगती है। *

# मोबाइल स्क्रीन पर सिमटता सिनेमा
# माइक्रो-सीरीज का चढ़ता सूरज!

न्यू ट्रेंड
**गौरव द्विवेदी**

फिल्म, टीवी सीरियल, वेब-सीरीज और शॉर्ट फिल्म्स के बाद अब माइक्रो-सीरीज का ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसके पॉपुलर होने की क्या वजहें हैं। यह किस तरह से एंटरटेनमेंट स्टाइल को पूरी तरह बदल रहा है, इस पर एक नजर।

भारत में मनोरंजन की दुनिया एक दिलचस्प मोड़ पर है। सिनेमा अब बड़े पर्दे से निकलकर मोबाइल स्क्रीन में सिमट रहा है। इस बदलाव का सबसे बड़ा चेहरा है माइक्रो-सीरीज और वर्टिकल वीडियो। यह केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि एक वैश्विक बदलाव है। अनुमान है कि 2025 तक दुनिया के कुल इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 82% वीडियो कंटेंट का रहा, जिसमें शॉर्ट, वर्टिकल वीडियो का दबदबा सबसे ज्यादा था।

**बढ़ रहा शॉर्ट वीडियो मार्केटः** इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने देखने की आदत को पूरी तरह बदल दिया है। अब दर्शक 'देखता' नहीं, बल्कि 'स्क्रॉल' करता है, और हर स्क्रॉल में कहानी फिट होनी चाहिए। भारत में इस बदलाव की गति और भी तेज है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 100 मिलियन (10 करोड़) से अधिक दर्शक पहले ही माइक्रो-ड्रामा कंटेंट देख रहे हैं। यानी यह अब मनोरंजन की मुख्यधारा बन चुका है। वैश्विक स्तर पर शॉर्ट वीडियो मार्केट का आकार 2026 में लगभग 59 अरब डॉलर आंका जा रहा है, जो 2033 तक बढ़कर 118 अरब डॉलर से ज्यादा का हो सकता है। सिर्फ वर्टिकल वीडियो सेगमेंट ही 2025 में लगभग 67% हिस्सेदारी तक पहुंच चुका है, जो इस फॉर्मेट की ताकत को दर्शाता है।

**घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिकाः** भारत में इस उभार के पीछे घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिका है। 'कुकु टीवी' जैसे प्लेटफॉर्म ने वर्टिकल माइक्रो-ड्रामा को एक नई पहचान दी है। इसके 1.2 करोड़ (12.7 मिलियन) से अधिक डाउनलोड्स हो चुके हैं, जबकि इसके ऑडियो प्लेटफॉर्म 'कुकु एफएम' ने 1 करोड़ से अधिक पेड सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी तरह 'मोज' और 'जोश' जैसे भारतीय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स ने मिलकर 300 मिलियन (30 करोड़) से अधिक यूजर इकोसिस्टम तैयार कर लिया है। नई श्रेणी के प्लेटफॉर्म जैसे 'क्विक टीवी', 'टुकटुकी', 'कटिंग' भी 2–5 मिनट के एपिसोड्स के साथ तेजी से उभर रहे हैं, और कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार हाल के महीनों में ही 150 मिलियन व्यूअर्स ने माइक्रो-सीरीज कंटेंट देखा, जबकि रोजाना एपिसोड व्यूज 100 मिलियन तक पहुंच गए।

**अन्य देशों में भी बढ़ रही पॉपुलैरिटीः** चीन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां 'डुआंजू' (माइक्रो ड्रामा) इंडस्ट्री तेजी से एक समानांतर फिल्म उद्योग बन चुकी है। वहीं अमेरिका में भी 'ड्रामा बॉक्स' जैसे प्लेटफॉर्म्स करोड़ों यूजर्स के साथ पारंपरिक ओटीटी को चुनौती दे रहे हैं। इतना ही नहीं, यू-ट्यूब शॉर्ट्स पर रोजाना दो सौ अरब व्यूज तक का आंकड़ा सामने आता है, जो इस बदलाव की गति को दर्शाता है।

**तेजी से बढ़ रहा ट्रेंडः** भारत में यह ट्रेंड और तेजी से बढ़ रहा है। सस्ते डेटा, 5जी और स्मार्टफोन के प्रसार ने इसे जन-आंदोलन बना दिया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में युवा दर्शक अब माइक्रो-सीरीज को न केवल देख रहे हैं, बल्कि बना भी रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह मॉडल बेहद आकर्षक है। जहां एक

पारंपरिक टीवी शो के एक एपिसोड पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, वहीं एक वर्टिकल सीरीज का पूरा सीजन कुछ लाख में बन सकता है। हालांकि, इस तेजी के साथ कुछ खतरे भी हैं। जैसे-कहानियों की गहराई कम हो रही है और एल्गोरिदम यह तय कर रहा है कि क्या चलेगा? फिर भी, यह मानना होगा कि यह बदलाव अस्थायी नहीं है। यह भारतीय मनोरंजन उद्योग के नए ढांचे की नींव है। आने वाले समय में बड़ी फिल्में और वेब-सीरीज पहले माइक्रो-फॉर्मेट में अपनी लोकप्रियता साबित करेंगी। अब सिनेमा देखा नहीं जाता, स्क्रॉल किया जाता है। और जो स्क्रॉल में फिट हो जाए, वही नया सिनेमा है। *

**(लेखक फिल्म पॉलिसी के जानकार हैं)**

गीत / कृष्ण बिहारी

## सबकी अपनी सीमाएं हैं

*कोई साथ कहां तक देगा*
*सबकी अपनी सीमाएं हैं,*
*हर कोई रीता-रीता है*
*कहने को सभी अघाए हैं।*
*अतृप्त जिंदगी छूंछी-सी*
*ऊपर से दिखती सजी-धजी*
*गर पास बुलाकर बैठा लो*
*तो लगती कितनी बुझी-बुझी*
*भ्रम के साए में सभी यहां*
*मुरदा पहचान बनाए हैं।*
*पेट काट जो तन ढंकती थी*
*वही भरे पेट अब नंगी है*
*नाच-नाचकर कहे सभ्यता*
*दुनिया यह रंग-बिरंगी है*
*रंग-रोगन से पुते हुए सब*
*भीतर-भीतर मुरझाए हैं।*
*जब देह में मन अनुपस्थित हो*
*औ' रूप जिए केवल पीड़ा*
*मेले में भी तनहाई हो*
*औ' प्राण हीन हो हर क्रीड़ा*
*तो बात समझनी क्या मुश्किल*
*अपनों से भेद छिपाए हैं।*
*कोई साथ कहां तक देगा*
*सबकी अपनी सीमाएं हैं।*

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

# शातिर अंतरात्मा गब्बर की

गब्बर की अंतरात्मा ने झकझोरते हुए कहा, 'तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब वही धंधा शहर में रह कर भी किया जा सकता है, तो बीहड़ में छिपकर क्यों रहा जाए?' एक रोज गब्बर की शातिर अंतरात्मा से आवाज आई, 'रे मूर्ख, परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। तू देखता ही होगा कि राजनेता आए दिन अपनी दलीय निष्ठाएं बदलते रहते हैं। बयानवीर अपने बयान बदल लेते हैं। सरकार में मंत्रियों के विभाग बदल जाते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले होते रहते हैं। जिनका स्थानांतरण किया जाता है, वे जब दूसरी जगहों पर तैनाती पाते हैं तो क्या उनके गुण-धर्म बदल जाते हैं? भ्रष्टाचारी को कहीं भी भेज दो, वह भ्रष्टाचारी ही रहेगा। उसे सदाचारियों की भीड़ के बीच बैठा दो, तब भी वह स्वयं तो सुधरेगा नहीं, वहां के लोगों को अपने जैसा जरूर बना लेगा। यह काम तो तू भी कर सकता है। तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब गब्बर की अंतरात्मा से यह आवाज बार-बार उठने लग गई, तब उसने एक शाम अपने गैंग के सदस्यों का एक पैनल बनाया और स्वयं एंकर की भूमिका में रहते हुए एक धुआंधार बहस की। एक बहसबाज दस्यु ने कहा, 'डकैती डालना घृणित कार्य है। अब हमें वैकल्पिक रोजगार की तलाश करनी चाहिए।' यह सुनकर दूसरे दुर्दांत बहसबाज ने घोर आपत्ति की, 'तुम बकवास कर रहे हो। डकैती तो हमारा पवित्र धर्म है। कोई हमारे धर्म को लेकर ऐसी बात कहेगा, तो मैं उसका सिर कलम कर दूंगा।' तीसरे बहसबाज डकैत ने कहा, 'अब डकैती के धंधे में पहले जैसी बरकत नहीं रही। मैं कल सरदार के आदेश पर एक गांव में गया था। वहां पर पहले हमारे जाते ही लोग अपने घरों से अनाज की बोरियां लाकर हमारे चरणों में धर दिया करते थे। इस बार मुझे पता चला कि सभी लोग खुद खाली थैले लेकर पांच किलो अनाज पाने के लिए सरकारी गल्ले की दुकानों पर गए हुए थे।' चौथे बहसबाज डाकू ने कहा, 'सरदार, अब आप ही बताइए, आपका निर्णय ही हमें दिशा दिखला सकता है।'

गब्बर ने बहस का समापन करते हुए कहा, 'मैंने तुम सबकी बातें ध्यानपूर्वक सुनी हैं और इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि हमें अपना यह डकैती वाला धंधा छोड़ देना चाहिए और दूसरे वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। हम इस घटाटोप जंगल में अड्डे बदलते-बदलते आजिज आ चुके हैं। ऊपर से हमेशा पुलिस का डर बना रहता है। साथ में मुखबिरी के खतरे तो हैं ही। क्या पता, अपने ही गैंग का कौन बंदा कब दगा दे जाए और हम सब एक दिन किसी एनकाउंटर में मार दिए जाएं! क्यों कालिया?' तब कालिया कहने लगा, 'सरदार, मैंने आपका नमक खाया है। घोर महंगाई में आपने हमें नीबू भी खिलाए हैं। आपकी कृपा बनी रहेगी तो हम आपके फार्म हाउस में बैठकर कल पिज्जा-बर्गर भी खाएंगे। वैसे भी यह कोई हमारा पुश्तैनी धंधा तो है नहीं कि इसे छोड़ देने में डकैतों की बिरादरी में हमारी नाक कट जाएगी। हम बीहड़ की जगह शहर में रहकर भी वहां के सम्मानित डकैतों जैसी शानदार जिंदगी जी सकते हैं।' उन सभी की बातें सुनकर गब्बर ने खैनी मलते हुए पूछा, 'अरे ओ सांभा, तू क्यों चुप है? तू भी तो बता कि हमें क्या करना चाहिए?' सांभा बोला, 'सरदार, आपने जो फैसला लिया है, वही सही है।'

इसके बाद उस इलाके में अपने बर्बर आतंक के चलते कुख्यात हो चुका गब्बर अब एक शरीफ डकैत बन चुका है। यूं भी कुख्यात और विख्यात होने में कोई खास अंतर नहीं होता है। मात्र जंगल और नगर का फर्क होता है। तो गब्बर और उसका गैंग अब सम्मानित डकैत बन चुके हैं। अब उस पर सरकारें इनाम नहीं घोषित करतीं हैं। अब वह खुद सरकारों को मदद-इमदाद करता है। अब पुलिस भी उसे ठोकने की फिराक में नहीं रहती, अलबत्ता वह उसे ही सलाम ठोंकती है। लेकिन कल गब्बर के साथ एक बुरी बात हो गई। उसके घर पर सीबीआई और ईडी का छापा पड़ गया। उसकी हवेली पर बुलडोजर चल गया। गब्बर अपने पूरे गैंग के साथ जेल में है और अपनी शातिर अंतरात्मा को तलाश रहा है। वह मिल जाए तो उसे गोली मार देगा। लेकिन गब्बर यह बात नहीं जानता है कि उसकी अंतरात्मा तो डकैती के धंधे में आते ही मर चुकी थी। यह उसका आंतरिक भय था, जिसको वह गलती से अपनी शातिर अंतरात्मा समझ बैठा था। *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

# एहसास

सड़क पर दूर से ही पुलिस वालों की चेकिंग होती देख कमलेश ने अपनी मोटरसाइकिल वापस घुमा ली। 'क्या हुआ, गाड़ी क्यों वापस घुमा रहे हो?' पीछे बैठे दोस्त ने पूछा। 'आगे चेकिंग चल रही है। इन पुलिस वालों को कोई काम धंधा है नहीं। जब देखो चौराहे पर खड़े होकर चेकिंग करना शुरू कर देते हैं। हेलमेट क्यों नहीं पहना? लाइसेंस कहां है? बिना नंबर की गाड़ी कैसे चला रहे हो? ढेरों सवाल पूछने लगते हैं। उनको तो बस लोगों को तंग करना होता है और कुछ नहीं।' कमलेश झुंझलाते हुए बोला। 'ऐसा क्यों बोल रहे हो? वो तो बेचारे अपनी ड्यूटी करते हैं।' दोस्त ने कमलेश को समझाने की कोशिश की। 'अरे, काहे की ड्यूटी! इनको तो बस अपनी जेब भरनी होती है और कुछ नहीं।' कमलेश खीझ भरे स्वर में बोला।

इस घटना के कुछ दिनों बाद कमलेश के बेटे का एक्सीडेंट हो गया। बिना नंबर वाली गाड़ी चला रहे किसी टेंपो ड्राइवर ने पीछे से उनके बेटे की बाइक पर जोरदार टक्कर मार दी थी। हेलमेट न पहनने की वजह से उनके बेटे के सिर पर गंभीर चोट लग गई थी। 'ये पुलिस वाले आखिर करते क्या हैं? बिना लाइसेंस, नंबर वाले अवैध वाहनों के खिलाफ, चेकिंग करके उन पर नियंत्रण क्यों नहीं करते?' कमलेश की पत्नी बिलखते हुए अपने पति से पूछ रही थी। आज कमलेश को अपनी उस दिन की गलती का एहसास हुआ। अब उसे पुलिस वालों की चेकिंग का महत्व समझ में आ गया था। *

पुस्तक चर्चा / कुलदीप सिंह भाटी

## ग्लैमर की दुनिया का किस्सा

कथा साहित्य में किस्सागोई का एक विशिष्ट स्थान रहा है। कारण इसका यह है कि किस्सागोई में बात से बात निकलती चली जाती है। इस तरह इसमें रोचकता के साथ ही साथ जिज्ञासा भी बनी रहती है। वरिष्ठ कथाकार और शायर हबीब कैफी का नया उपन्यास 'काला, धौला और रंगीन' इसी किस्सागोई शैली में लिखा गया एक उम्दा उपन्यास है। इस कथा की मुख्य पात्र पलक है। फिल्मी दुनिया की यह सफल अभिनेत्री, जब एक साहित्यकार के आगे खुलने लगती है तो प्रायः बंद ही रहने वाली यह स्त्री जिंदगी की कई परतें खोलती चली जाती है। पता चलता है कि एक नामी राजघराने से ताल्लुक रखने वाली यह अभिनेत्री अपने क्षेत्र, फिल्मी दुनिया के साथ ही साहित्य, कला और संगीत आदि से भी बड़ी हद तक लगाव और जुड़ाव रखती है। संवेदनशील अभिनेत्री पलक इस बीच सहज ही अपनी जिंदगी की परतें भी खोलती चली जाती है तो पता चलता है कि एक्स्ट्रा जूनियर आर्टिस्ट से नामी अभिनेता बने, समीर से यह गहरे प्रेम में है। मानवीय गुणों से संपन्न नैसर्गिक अभिनेता समीर मस्त मौला स्वभाव के कारण पलक के प्रेम का ठीक-ठीक जवाब नहीं दे पाता। समय अपनी गति से गुजरता जाता है और एक दिन अचानक ही समीर दुनिया छोड़ जाता है। उपन्यास के अंत में पाठक पलक की सच्ची और गहरी मोहब्बत महसूस करते हैं तो उनका दिल भी भर आता है।

लगभग अपठनीयता के इस दौर में यह उपन्यास न केवल स्वयं को पढ़वा ले जाता है, अपितु एक गहरी कसक भी पाठक के मन में छोड़ जाता है। उपन्यास के भाषा की रवानगी भी इसकी पठनीयता को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। *

**पुस्तकः** काला, धौला और रंगीन (उपन्यास), **लेखकः** हबीब कैफी, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** कौटिल्य बुक्स, दिल्ली

केरल के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है एथडुआ पेरुनल उत्सव। केरल के लोकजीवन से जुड़े इस पर्व के प्रति कुछ अन्य राज्यों एवं विदेशी पर्यटकों के बीच भी काफी लगाव है। इस उत्सव से जुड़ी कुछ अनोखी-रोचक बातें आप जरूर जानना चाहेंगे।

सांस्कृतिक उत्सव

धीरज बसाक

# धर्म-संस्कृति-सामाजिक समरसता का संदेश देता एडथुआ पेरुनल उत्सव

केरल की सांस्कृतिक पहचान सिर्फ इसके मंदिरों और पारंपरिक उत्सवों तक सीमित नहीं है। यहां के ईसाई समुदाय के पर्व भी उतने ही भव्य और जीवंत हैं तथा लोकजीवन से जुड़े हुए हैं। इन्हीं में से एक एडथुआ पेरुनल उत्सव है, जो मुख्यतः सेंट जॉर्ज को समर्पित है। इसे केवल केरल के महत्वपूर्ण ईसाई धार्मिक आयोजनों में ही नहीं गिना जाता बल्कि यह दूसरे दक्षिणी राज्यों के ईसाई समुदायों के साथ-साथ दुनिया भर के सांस्कृतिक पर्यटकों के लिए भी महत्वपूर्ण आयोजन है। एडथुआ पेरुनल उत्सव हर साल अप्रैल के अंत से मई की शुरुआत तक लगभग 10 दिनों तक मनाया जाता है। इस साल यह 27 अप्रैल से 7 मई 2026 तक मनाया जाएगा।

**हर दिन अलग-अलग आयोजन:** इस उत्सव के दौरान चर्च परिसर और उसके आस-पास के पूरे क्षेत्र में एक विशाल मेले का आयोजन होता है। हजारों श्रद्धालु आस्था और श्रद्धा से इस उत्सव में भाग लेते हैं। बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक पर्यटक भी इसका हिस्सा बनने के लिए देश-विदेश से आते हैं। उत्सव की शुरुआत विशेष प्रार्थनाओं और ध्वजारोहण से होती है। इसके बाद हर दिन अलग-अलग धार्मिक अनुष्ठान, जुलूस और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अंतिम दिन का जुलूस या प्रोसेशन सबसे भव्य होता है, जिसमें सेंट जॉर्ज की प्रतिमा को सुसज्जित रथ पर निकालकर पूरे गांव में घुमाया जाता है। इस उत्सव के दौरान एक तरफ प्राचीन अनुष्ठान होते हैं, वहीं दूसरी ओर आधुनिक व्यवस्थाएं भी आयोजन का हिस्सा होती हैं।

**आस्था एवं सामूहिक विश्वास का संगम:** एडथुआ पेरुनल का धार्मिक महत्व भी खूब है, क्योंकि सेंट जॉर्ज के प्रति लोगों में बहुत श्रद्धा है। श्रद्धालुओं के मुताबिक इस उत्सव में भाग लेने से उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। विशेषकर बीमारियों और मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस उत्सव में हिस्सा लेने आए लोग अपनी तरह-तरह की मन्नतें मांगते हैं और उनके पूरे होने पर सेंट जॉर्ज को धन्यवाद देने के लिए बार-बार इस उत्सव में शामिल होने का संकल्प लेते हैं। इसलिए यह पारंपरिक आयोजन व्यक्तिगत आस्था और सामूहिक विश्वास का भी संगम बन जाता है।

**केरल की सांस्कृतिक विशिष्टता का दर्शन:** एथडुआ पेरुनल, धार्मिक के साथ-साथ एक सांस्कृतिक उत्सव भी है, इसलिए यह केरल की सार्वभौमिक सह-अस्तित्व की भावना को दर्शाता है। इसमें दूसरे कई उत्सवों की तरह सजे-धजे हाथियों के साथ जुलूस निकाला जाता है, जो केरल के विशिष्ट उत्सवों की सबसे खास पहचान है। लोग पारंपरिक संगीत और लोकनृत्य का लुत्फ उठाते हैं। स्थानीय बैंड, चर्च संगीत और लोकनृत्य इस उत्सव को विशिष्टता प्रदान करते हैं। इस उत्सव के दौरान रात के समय भव्य आतिशबाजी के नजारे भी देखने को मिलते हैं, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

**आर्थिक दृष्टि से भी है महत्वपूर्ण:** इस उत्सव का स्थानीय अर्थव्यवस्था के साथ भी एक बेहद गहरा और सकारात्मक रिश्ता है। उत्सव के दौरान अलग-अलग राज्यों एवं विदेशों से आए पर्यटक यहां की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान देते हैं। अलग-अलग आजीविकाओं से जुड़े लोगों को उत्सव के दौरान रोजगार प्राप्त होता है या विशेष आय प्राप्त होती है।

**विविधता में एकता का संदेश:** एडथुआ पेरुनल उत्सव की एक अनोखी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। यह उत्सव धार्मिक सीमाओं से परे जाकर लोगों को आपस में जोड़ता है, विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग मिलकर उत्सव मनाते हैं। ऐसे में यह एकता में विविधता का जीवंत उदाहरण बन जाता है। यह उत्सव इस बात को भी दर्शाता है कि बहुरंगी भारतीय संस्कृति में गहरा साझा भाव भी है। केरल जैसे राज्य में जहां साक्षरता और सामाजिक जागरुकता उच्च स्तर पर है, ऐसे आयोजन समाज को अधिक मजबूत बनाते हैं। आज के समय में जब समाज में विभाजन और तनाव की खबरें अकसर आती रहती हैं, एडथुआ पेरुनल जैसे उत्सव हमें सकारात्मक संदेश देते हैं। यह उत्सव सिखाता है कि धर्म और संस्कृति लोगों को जोड़ने का माध्यम हो सकते हैं, न कि उन्हें एक-दूसरे से अलग करने का।

कुल मिलाकर एडथुआ पेरुनल उत्सव सिर्फ धार्मिक भाव का पर्व नहीं है, यह आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। यह उत्सव केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है, जिसमें विभिन्न धर्मों और परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिलता है। एडथुआ पेरुनल उत्सव श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है, वहीं यह भारतीय संस्कृति की उस व्यापक सोच का भी प्रतिनिधित्व करता है, जो विविधता में एकता को सबसे बड़ा मूल्य मानती है। *

### एडथुआ पेरुनल उत्सव की प्रमुख विशेषताएं

- यह अलप्पुझा (केरल) के एडथुआ गांव में मनाया जाता है और इसका मुख्य स्थल सेंट जॉर्ज फॉरेन चर्च है।
- यह हर साल 10 दिनों तक अप्रैल के अंत और मई की शुरुआत में मनाया जाता है।
- सेंट जॉर्ज को समर्पित इस सांस्कृतिक उत्सव की सबसे खास विशेषता है, इसका भव्य धार्मिक जुलूस। इस जुलूस में सजे-धजे हाथियों की परेड देखने को मिलती है, साथ ही इस दौरान पारंपरिक संगीत और नृत्य की छटा बिखरती है तथा आतिशबाजी का भी खूब रंग-बिरंगा उत्सव देखने को मिलता है।
- इसमें विभिन्न धर्मों की भागीदारी होती है, इसमें हिस्सा लेने वाले लोगों का एक बड़ा तबका ऐसे आस्थावान लोगों का होता है, जो अपनी असाध्य बीमारियों से मुक्ति पाने की इच्छा से यहां आते हैं और बीमारियों से मुक्ति पाने के लिए मन्नतें मांगते हैं।

# मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान मेरे मरीजों की मुस्कान है

प्रेरक व्यक्तित्व

डॉ. पुरुषोत्तम लाल

पंजाब के मोगा जिले के एक छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले डॉक्टर पुरुषोत्तम लाल का शुरुआती जीवन बहुत संघर्षपूर्ण रहा। लेकिन अपने अथक परिश्रम और समाज के लिए कुछ करने के संकल्प के चलते मेडिकल क्षेत्र में उन्होंने अद्वितीय मुकाम हासिल किया। डॉक्टर पुरुषोत्तम भारत में इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के फादर कहे जाते हैं। वह देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से विभूषित हैं। डॉ. पुरुषोत्तम लाल के प्रेरक जीवन का सफर उन्हीं की जुबानी।

**आसान नहीं था आरंभिक जीवन:** मेरा बचपन बहुत संघर्षपूर्ण था। हमारा पूरा ध्यान बस इस बात पर होता था कि घर कैसे चले और पढ़ाई कैसे पूरी हो? हम सभी भाई एक ही लैंप की हल्की रोशनी में पढ़ते थे, जिसकी चिमनी भी टूटी हुई होती थी। लेकिन मेरे अंदर कहीं एक आग जरूर थी, कुछ अलग करने की चाह। मन में यही ख्याल आता था कि जिंदगी में कुछ ऐसा करना है, जिससे अपने परिवार का जीवन बदल सकूं और समाज के लिए भी कुछ कर सकूं। उन्हीं कठिन परिस्थितियों में पले छोटे-छोटे सपने ही मेरी सबसे बड़ी ताकत बने और मुझे इस मुकाम तक लेकर आए।

**परिश्रम से पाया मनचाहा मुकाम:** मेरा पूरा सफर संघर्ष और मेहनत से भरा रहा है। अपनी लगन और समर्पण के दम पर मैंने नेशनल मेरिट स्कॉलरशिप हासिल की, जो मेरे लिए एक नई उम्मीद लेकर आई। इसी के सहारे मैं अमृतसर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए पहुंचा। वहां भी दिन-रात मेहनत करता रहा और हर चुनौती को एक अवसर की तरह लिया। वर्ष 1975 में अपनी क्लास में टॉप किया। डॉक्टर बनने के बाद मैंने इसे केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका गया, जहां कार्डियोलॉजी में उच्च प्रशिक्षण लिया। वहां के प्रतिष्ठित संस्थानों में काम करते हुए मैंने बहुत कुछ सीखा, खुद को निखारा।

**जन सेवा के लिए देश लौट आया:** अमेरिका में मुझे बहुत कुछ मिला, बेहतर सुविधाएं, सम्मान और सीखने के अनगिनत अवसर। लेकिन दिल के किसी कोने में हमेशा एक खालीपन था। जब मैं भारत आता और यहां के मरीजों की हालत देखता, खासकर वे लोग जो पैसों की कमी के कारण इलाज नहीं करा पाते, तो मन बहुत व्यथित हो जाता था। मुझे लगता था कि मेरी असली जरूरत यहां है, अपने देश में है। इसलिए एक दिन मैंने तय किया कि अब वापस अपने देश लौटना है।

**मेट्रो हॉस्पिटल्स की शुरुआत:** मेरी सोच हमेशा से बहुत मानवीय रही है। तभी मैंने ठान लिया कि एक ऐसा अस्पताल बनाऊंगा, जहां इलाज की गुणवत्ता विश्वस्तरीय हो, लेकिन वह आम आदमी की पहुंच से बाहर न हो। मेट्रो हॉस्पिटल्स की शुरुआत इसी सोच और भावना के साथ हुई, सेवा, संवेदना और सुलभ इलाज के उद्देश्य से।

**इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी में योगदान:** मैंने हमेशा कोशिश की कि मरीज को कम से कम तकलीफ हो और इलाज ज्यादा सुरक्षित और प्रभावी हो। अगर बिना बड़ी सर्जरी के किसी की जान बचाई जा सके, तो इससे बड़ी खुशी क्या हो सकती है। जब मैं देखता हूं कि जिन तकनीकों को हमने अपनाया और आगे बढ़ाया, वे आज हजारों लोगों की जिंदगी आसान बना रही हैं, तो दिल को सुकून मिलता है।

**मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान:** पद्म भूषण, पद्म विभूषण जैसे सम्मान मिलना निश्चित रूप से गर्व की बात है। लेकिन अगर दिल से कहूं, तो मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान मेरे मरीजों की मुस्कान है। जब कोई मरीज स्वस्थ होकर अपने परिवार के पास लौटता है और आंखों में खुशी के आंसू लेकर धन्यवाद देता है, तो वह किसी भी पुरस्कार से कहीं ज्यादा अनमोल होता है।

**युवा डॉक्टरों को संदेश:** मैं युवाओं से यही कहना चाहूंगा कि डॉक्टर बनना सिर्फ एक करियर नहीं, बल्कि एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मरीज आपके पास उम्मीद और विश्वास लेकर आता है। इसलिए हमेशा सीखते रहें, खुद को अपडेट रखें और ईमानदारी से काम करें। सबसे जरूरी बात, अपने अंदर इंसानियत और संवेदनशीलता को जिंदा रखें। तकनीक और ज्ञान आपको एक अच्छा डॉक्टर बना सकते हैं, लेकिन आपकी संवेदना ही आपको महान डॉक्टर बनाती है।

**सफलता के मायने:** मेरे लिए सफलता का मतलब सिर्फ नाम, प्रसिद्धि या पुरस्कार नहीं है। असली सफलता तब होती है, जब आप किसी की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव ला सकें। यही सच्ची सफलता है, जो दिल को संतोष देती है। *

प्रस्तुतिः हरिभूमि फीचर्स

दुनिया भर में प्रचलित अलग-अलग नृत्य कलाओं के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 29 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करते विभिन्न प्रदेशों के प्रमुख लोकनृत्यों के बारे में जानिए।

# सांस्कृतिक विविधता के प्रतीक विभिन्न प्रदेशों के लोकनृत्य

महाराष्ट्र का लोकनृत्य-लावणी

असम का लोकनृत्य-बिहू



हिमाचल प्रदेश का लोकनृत्य-नाटी

परंपरा

शिखर चंद जैन

भारत विविधताओं का देश है। यहां की यह विविधता सिर्फ भाषा, खान-पान या रहन-सहन तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां के लोक नृत्यों में भी रची-बसी है। लोक नृत्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि आम जनमानस के उल्लास, उनकी धार्मिक आस्था और ऋतुओं के चक्र का जीवंत उत्सव भी होते हैं।

**बिहू (असम):** असमिया नववर्ष (रंगाली बिहू) के अवसर पर किया जाने वाला यह नृत्य अपनी तेज गति और हाथों के संचालन के लिए प्रसिद्ध है। यह नृत्य हाथों के फुर्तीले संचालन और पारंपरिक 'मेखला चादर' वेशभूषा के लिए भी जाना जाता है। यह नृत्य नई फसल तैयार होने की खुशी और प्रकृति के प्रति आभार ज्ञापन करने का प्रतीक भी होता है।

**नाटी (हिमाचल प्रदेश):** हिमाचल का सबसे लोकप्रिय लोक नृत्य 'नाटी' कुल्लू और शिमला क्षेत्रों में बड़े उत्सवों के दौरान सामूहिक रूप से किया जाता है। सैकड़ों लोग एक-दूसरे का हाथ पकड़कर लंबी श्रंखला बनाते हैं और स्थानीय वाद्ययंत्रों की धुन पर कदम से कदम मिलाकर झूमते हैं। इसने 'सबसे बड़े लोक नृत्य' के रूप में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज कराया है।

**भांगड़ा (पंजाब):** पंजाब की मिट्टी की खुशबू और किसानों के उल्लास का प्रतीक है भांगड़ा लोकनृत्य। मुख्य रूप से बैसाखी के पर्व और फसल कटाई के समय किया जाने वाला यह नृत्य अपनी ऊर्जा के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। ढोल की थाप पर रंगीन पगड़ी और लुंगी पहने गबरू जब 'बल्ले-बल्ले' कहते हुए थिरकते हैं, तो दर्शकों के पैर भी अपने आप थिरकने लगते हैं।



पंजाब का लोकनृत्य-भांगड़ा

**रासलीला (उत्तर प्रदेश):** ब्रज क्षेत्र का यह प्रसिद्ध नृत्य भगवान कृष्ण और राधा के प्रेम और उनकी लीलाओं पर आधारित है। ब्रज की धरती मथुरा-वृंदावन से उपजी 'रासलीला' भगवान श्री कृष्ण और गोपियों के दिव्य प्रेम की कहानी है। इसमें नर्तक अपनी भाव-भंगिमाओं से कृष्ण की बाल लीलाओं और रास को प्रदर्शित करते हैं, जो दर्शकों को सीधे भक्ति की दुनिया में ले जाता है।

**घूमर (राजस्थान):** राजपूताना आन-बान और शान का प्रतीक 'घूमर' को 'राजस्थान की आत्मा' कहा जाता है। अपनी शालीनता और भव्यता के लिए जाना जाने वाला यह नृत्य, भील जनजाति से आरंभ हुआ और बाद में राजपूताना घरानों की पहचान बना। इसमें महिलाएं बड़े घेरे वाले घाघरा पहनकर गोल-गोल घूमती हैं, जिससे एक सुंदर घेरा बनता है। इसकी धीमी लय और हाथ के सधे हुए संचालन इसे बेहद आकर्षक बनाते हैं।

**लावणी (महाराष्ट्र):** महाराष्ट्र की कला परंपरा का गौरव 'लावणी' पारंपरिक नृत्य है, जो अपनी लयबद्ध ताल और ढोलकी की थाप के साथ किया जाता है। इसमें महिलाएं नौवारी साड़ी पहनती हैं। नौवारी 9 गज की साड़ी होती है। इस नृत्य के दौरान गाए जाने वाले गीत अकसर समाज, राजनीति और प्रेम पर आधारित होते हैं।



कर्नाटक का लोकनृत्य-यक्षगान

**यक्षगान (कर्नाटक):** दक्षिण भारत का 'यक्षगान' एक प्राचीन और जटिल नृत्य कला है। यह केवल नृत्य नहीं, बल्कि एक संपूर्ण नाटक है, जिसमें भारी वेशभूषा, चेहरे पर चटकीला श्रंगार और संवादों का प्रयोग होता है। इसकी कहानियां मुख्य रूप से हिंदू महाकाव्यों पर आधारित होती हैं, जो रात भर खुले मैदानों में प्रदर्शित की जाती हैं। *

### यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल भारतीय नृत्य

भारत की कुछ लोकप्रिय नृत्य शैलियों को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में शामिल किया गया है। ये हैं-

**गरबा (गुजरात):** नवरात्रि के नौ दिनों में देवी दुर्गा की प्रतिमा या 'दीप गर्भ' के चारों ओर गोल घेरा बनाकर किया जाने वाला यह नृत्य शक्ति की उपासना का एक माध्यम एवं एकता का प्रतीक है। 'गरबा' के दौरान रंग-बिरंगी चनिया-चोली और कुर्तों में सजे लोग तालियों की लय पर जिस तरह समन्वय बिठाते हैं, वह अद्भुत होता है।

**छऊ (झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल):** यह एक अर्ध-शास्त्रीय मुखौटा नृत्य है, जिसमें मार्शल आर्ट, कलाबाजियां और लोक परंपराओं का मिश्रण होता है। इसमें रामायण और महाभारत जैसी पौराणिक कथाओं को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया जाता है।

**कालबेलिया (राजस्थान):** राजस्थान के कालबेलिया समुदाय द्वारा किया जाने वाला यह नृत्य अपनी लचीली मुद्राओं के लिए जाना जाता है। काली रंग की कढ़ाई वाली पोशाक पहने महिलाएं बीन और ढफ की धुन पर नागिन की तरह लहराते हुए नृत्य करती हैं। इसकी गति इतनी तेज होती है कि देखने वाले अपनी पलकें झपकाना भूल जाते हैं।

बड़ा पर्दा

हेमंत पाल

# दर्शकों को बांधे रखने में सफल रहीं बिना इंटरवल वाली ये फिल्में

वैसे तो दो-ढाई घंटे की फिल्म के बीच में कुछ मिनटों का ब्रेक यानी इंटरवल जरूर होता है। लेकिन बॉलीवुड में कुछ ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जिनमें कोई इंटरवल ही नहीं था। बिना ब्रेक वाली ऐसी ही कुछ अलग तरह की फिल्मों पर एक नजर।

हर दौर में कुछ फिल्मकार ऐसे हुए हैं, जो फिल्मों के तयशुदा फॉर्मूले को चुनौती देते हुए नए प्रयोग करते हैं। बिना गाने वाली फिल्में, सीमित किरदारों पर आधारित फिल्म या एक ही रात में घटित होने वाली घटना पर आधारित फिल्म। ऐसे प्रयोग सिनेमा को नई दिशा देते हैं। इन्हीं में से एक खास प्रयोग रहा बिना इंटरवल की फिल्म, जिसमें दर्शकों को बिना रुके पूरी कहानी के साथ बांधकर रखा जाता है। हालांकि फिल्म में इंटरवल इसलिए रखा जाता है कि दर्शक बीच में थोड़ा रिलैक्स हो जाएं और उसकी कहानी को नए सिरे से एंज्वॉय करें। इंटरवल के बहाने फिल्म की कहानी में मोड़ लाने का मौका भी मिलता है। ऐसे में बिना ब्रेक की फिल्म दर्शकों को नए तरीके का अनुभव देती है।

**इसलिए किए गए प्रयोग:** भारतीय सिनेमा में इंटरवल सिर्फ दर्शकों को रिलैक्स करने का साधन नहीं, बल्कि एक व्यावसायिक व्यवस्था का भी हिस्सा रहा है। लेकिन कुछ निर्देशकों ने महसूस किया कि खासतौर पर सस्पेंस, थ्रिलर और यथार्थवादी फिल्मों में इंटरवल कहानी की गति को तोड़ देता है। ऐसे में अगर फिल्म की लंबाई सीमित रखी जाए और पटकथा कसावट भरी हो, तो बिना ब्रेक दर्शकों को अधिक प्रभावशाली अनुभव दिया जा सकता है। यही कारण है कि हिंदी फिल्म इतिहास में कुछ चुनिंदा फिल्में ऐसी बनीं, जिनमें इंटरवल नहीं रखा गया। वे फिल्में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहीं।

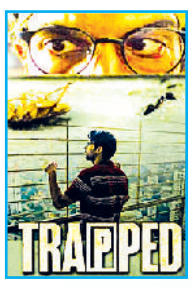







**मर्डर मिस्ट्री 'इत्तेफाक':** बिना इंटरवल के फिल्म बनाने की दिशा में सबसे चर्चित और शुरुआती प्रयोग 'इत्तेफाक' (1969) के रूप में सामने आया, जिसे यश चोपड़ा ने निर्देशित किया था। यह फिल्म अपने समय से काफी आगे की सोच का परिणाम थी। इस फिल्म में न तो कोई गीत था और न ही इंटरवल। कहानी एक मर्डर मिस्ट्री पर आधारित थी, जो अंग्रेजी नाटक 'साइनपोस्ट टू मर्डर' से प्रेरित थी। राजेश खन्ना ने इसमें एक ऐसे व्यक्ति की भूमिका निभाई, जिस पर अपनी पत्नी की हत्या का आरोप होता है और वह पुलिस से बचने के लिए एक घर में शरण लेता है। उस घर की मालकिन, जिसकी भूमिका नंदा ने निभाई, खुद एक रहस्य छुपाए हुए होती है। फिल्म की कहानी इतनी तेज और रोचक ढंग से आगे बढ़ती है कि दर्शकों को इंटरवल की जरूरत महसूस ही नहीं होती। लगभग डेढ़ घंटे की इस फिल्म को कम समय में शूट किया था, लेकिन इसकी कहानी की कसावट और रोमांच ने इसे यादगार बना दिया।

**सामाजिक यथार्थ को दर्शाती 'धोबी घाट':** फिल्म 'धोबी घाट' का निर्देशन किरण राव ने किया था। इस फिल्म में आमिर खान मुख्य भूमिका में नजर आए, लेकिन यह पूरी तरह से स्टार-ड्रिवन फिल्म नहीं थी। यह मुंबई शहर के अलग-अलग सामाजिक और भावनात्मक स्तरों पर जी रहे चार लोगों की कहानी है। मोनिका डोगरा, प्रतीक बब्बर और कृति मल्होत्रा द्वारा निभाए गए किरदारों के जरिए फिल्म यह दिखाती है कि सपनों के शहर में हर व्यक्ति अपने-अपने संघर्षों और अधूरी इच्छाओं के साथ जी रहा है। फिल्म का स्वर बहुत ही यथार्थवादी और संवेदनशील है। इसकी सीमित अवधि और बिना इंटरवल के प्रस्तुतीकरण की वजह से दर्शक लगातार पात्रों की दुनिया में डूबे रहते हैं।

**क्लॉस्ट्रोफोबिक अनुभव देती 'ट्रैप्ड':** विक्रमादित्य मोटवानी द्वारा निर्देशित 'ट्रैप्ड' में राजकुमार राव ने एक ऐसे युवक की भूमिका निभाई है, जो मुंबई के एक सुनसान अपार्टमेंट में फंस जाता है। उसके पास न खाना है, न पानी, न बिजली और न बाहर निकलने का कोई आसान रास्ता। पूरी फिल्म उसी के संघर्ष, भय और जीवित रहने की कोशिशों के इर्द-गिर्द घूमती है। बिना इंटरवल के यह कहानी दर्शकों को उसकी स्थिति में बांध देती है और एक तरह का क्लॉस्ट्रोफोबिक अनुभव देती है। 'ट्रैप्ड' में राजकुमार राव के अभिनय और फिल्म के प्रयोगात्मक स्वरूप की काफी सराहना हुई।

**ये फिल्में भी नहीं करतीं ब्रेक की डिमांड:** बॉलीवुड में कुछ और फिल्में भी हैं, जिनमें इंटरवल का प्रभाव लगभग समाप्त कर दिया गया या जिन्हें बिना ब्रेक के देखने पर ही इसका असर अधिक महसूस होता है। 'ए वेडनेसडे' जैसी फिल्म अपनी तेज रफ्तार और सीमित समय अवधि के कारण बिना इंटरवल के अधिक प्रभावी लगती है। इसी तरह 'कौन' जिसे राम गोपाल वर्मा ने बनाया, भी सीमित किरदारों और एक ही लोकेशन में घटित होने वाली कहानी के कारण बिना ब्रेक ज्यादा असरदार अनुभव देती है।

**आज कितना प्रासंगिक है फिल्मों में इंटरवल:** आज जब ओटीटी प्लेटफॉर्म का दौर है और दर्शक बिना किसी व्यवधान के फिल्में देखते हैं, तब इंटरवल की अवधारणा पहले जितनी अनिवार्य नहीं रह गई। अब कहानी की मांग के अनुसार ही फिल्म की संरचना तय की जाती है। फिर भी सिनेमाघरों में इंटरवल का चलन पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। क्योंकि यह फिल्म प्रदर्शन की परंपरा और व्यवसाय से भी जुड़ा हुआ है। बिना इंटरवल की फिल्में यह साबित करती हैं कि अगर कहानी में दम हो और प्रस्तुति में कसावट हो, तो दर्शकों को बिना किसी ब्रेक के भी पूरी तरह बांधकर रखा जा सकता है। यह प्रयोग भले कम किया गया हो, लेकिन जब भी किया गया, उसने सिनेमा को एक नई दृष्टि दी और यह दिखाया कि कहानी कहने के तरीके हमेशा बदल सकते हैं। *